www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 189 || लखनऊ
शनिवार
10 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:01
सूर्यास्तः 06:03
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी ... >>पेज 04
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ... >>पेज 06
'पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर 'हीरोइन...

सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना को मंजूरी दी गई है। इसके तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों को नौ जोन में बांटकर प्रशिक्षण और रोजगार का एकीकृत तंत्र विकसित किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, गौतमबुद्ध नगर और झांसी में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के जरिए युवाओं को उद्योगों की जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षण देकर देश और विदेश में रोजगार के अवसरों से जोड़ने का लक्ष्य है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट



अग्निवीरों को 20% आरक्षण, बिना परीक्षा जॉइनिंग मिलेगी, योगी कैबिनेट का फैसला

पीएम के नाम से जाना जाएगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नोएडा के जेवर एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। सीएम योगी ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- यूपी कैबिनेट की बैठक में इससे जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया गया है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया- अब नाम बदलने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

वहां से मंजूरी के बाद नाम बदल जाएगा।

यह दूसरा मामला होगा, जब किसी सार्वजनिक प्रतिष्ठान का नाम मोदी के नाम पर रखा जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)



सीएम योगी ने कैबिनेट मीटिंग में 39 प्रस्तावों को मंजूरी दी।



18 शहरों में चलेंगी 1725 एसी इलेक्ट्रिक बसें

योगी सरकार 18 शहरों में 1,725 नई एसी इलेक्ट्रिक बसें चलाएगी। इनमें आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी और नोएडा शामिल हैं। बसों को निजी ऑपरेटर चलवाएंगे। किराया सरकार तय करेगी। फिलहाल, प्रदेश के 15 नगर निगमों में 743 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। सभी 75 जिलों को 9 जोन में बांटकर कौशल प्रशिक्षण और रोजगार का हब बनाया जाएगा। इससे युवाओं को देश-विदेश में रोजगार के अवसरों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

दीपावली से पहले मिलेगा मुफ्त गैस सिलेंडर

दीपावली से पहले प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। कैबिनेट बैठक में दीपावली और होली पर एक-एक मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की योजना को जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस पर सरकार 2142.78 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मंत्री मनोज पांडेय ने बताया कि पहला मुफ्त सिलेंडर अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच और दूसरा जनवरी से मार्च 2027 के बीच दिया जाएगा।

योगी बोले- पीएम मोदी और यूपी का रिश्ता बहुत गहरा

कैबिनेट की बैठक के बाद योगी ने खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 3 साल में पहला मौका था, उन्होंने कहा- पीएम मोदी के जनसेवा के 25 साल पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया।

नंदीग्राम में भाजपा कैंडिडेट ने सीएम शुभेंदु का रिकॉर्ड तोड़ा

पुडुचेरी में एनडीए, तमिलनाडु की दोनों सीटें टीवीके जीती

1.22 लाख वोटों से जीत उपचुनाव में

जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/पुडुचेरी। प. बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी की 5 विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा के उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को आ गए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटें भाजपा ने जीत ली है। वहीं तमिलनाडु की दो सीटों पर TVK ने कब्जा किया। उधर, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर एनडीए ने जीत हासिल की। वहीं, असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा आगे चल रही है। नंदीग्राम सीट पर BJP प्रत्याशी हसीरानी रथ 122753 वोटों से जीत गईं हैं। उन्हें कुल 164427 वोट मिले।हसीरानी ने इस सीट पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हसीरानी ने 1,22,753 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह 1967 के सीट के अस्तित्व में आने के बाद जीत का सबसे बड़ा अंतर है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 2016 में शुभेंदु अधिकारी के नाम था। तब उन्होंने TMC के टिकट पर CPI के अब्दुल कबीर शेख को 81,230 वोटों से हराया था। उपचुनाव के नतीजों पर नंदीग्राम से बीजेपी की उम्मीदवार हासीरानी रथ ने कहा, ₹यह रिकॉर्ड जीत सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री होने का नतीजा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समय में हमारे कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जाता था और उन्हें वोट नहीं डालने दिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)



मोदी बोले- उपचुनावों की जीत दिखाती है कि लोगों का हमसे गहरा जुड़ाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के उपचुनावों में BJP-NDA को आशीर्वाद देने के लिए लोगों का आभार जताया और कहा कि यह जीत एक बार फिर दिखाती है कि लोगों का गठबंधन के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है।

जीत के बाद हसीरानी रथ ने कहा- बंगाल में जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया

नंदीग्राम में जीत के बाद भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ ने कहा,मुख्यमंत्री के रूप में सिर्फ पांच महीने के कार्यकाल में उनकी सरकार ने नंदीग्राम से लेकर पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों तक विकास कार्य जारी रखे हैं। राज्य में कई लाख करोड़ रुपए का कर्ज होने के बावजूद सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर रही है। जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया है।

तमिलनाडु में दो सीटों पर उपचुनाव का रिजल्ट

रेजीनगर सीट

जीते	हारे
शंखख सरकार (BJP) 1,29,914 (वोट)	गोलाम नबी (AJUP) 54,098 वोट

उपचुनाव की वजह: हुमायूं कबीर ने सीट छोड़ी थी।

नंदीग्राम सीट

जीते	हारे
हासीरानी रथ (BJP) 1,64,427 (वोट)	मिलन प्रधान (INC) 41,674 वोट

उपचुनाव की वजह: CM शुभेंदु ने सीट छोड़ी थी।

असम लोकसभा सीट पर उपचुनाव का रिजल्ट

नगांव सीट

आगे	पीछे
देवाशीष शर्मा (BJP) 6,87,110	बदरुद्दीन अजमल (AIUDF) 5,20,976 वोट

उपचुनाव की वजह: कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे और दिसपुर सीट से जीत के कारण सीट खाली थी

फास्ट न्यूज

कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम 11 छात्राओं से उत्पीड़न के दोषी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) ने प्रोफेसर और इनर मणिपुर से कांग्रेस लोकसभा सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को बर्खास्त कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने उन्हें 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया। बर्खास्तगी तत्काल प्रभाव से लागू की गई है।

महिला की छाती पर कोहनी मारना छेड़छाड़ नहीं : केरल हाईकोर्ट

त्रिवेंद्रम। केरल हाईकोर्ट ने महिला की छाती पर कोहनी मारने के मामले में एक व्यक्ति को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इससे महिला की गरिमा भंग करने का इरादा साबित नहीं होता। जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन ने क्रिमिनल रिव्यू पिटीशन मंजूर की। उन्होंने चालक्कुडी की ज्यूडिशियल फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट कोर्ट-I की सजा रद्द कर दी। इस सजा को त्रिशूर की एडिशनल सेशंस कोर्ट-III ने भी बरकरार रखा था। मामला IPC की धारा 354 के तहत दर्ज था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आरोपी को एक महीने की कैद और 1000 जुर्माने की सजा सुनाई थी।

मिस्टर मस्क, भारत किसी का गुलाम नहीं : कमल हासन

नई दिल्ली। इलॉन मस्क ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने गुरुवार को X पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के हर कानून और जरूरी शर्त का पालन कर रही है।

एनआईए कोर्ट में 16 नवंबर से तहव्वुर राणा की सुनवाई

2025 में अमेरिका से भारत लाया गया

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। दिल्ली की विशेष NIA कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के मामले में आरोपों पर दलीलों के लिए 16 नवंबर की तारीख तय की है। विशेष NIA जज प्रशांत शर्मा ने गुरुवार को मामले की सुनवाई की।

कोर्ट ने राणा की गिरफ्तारी के बाद दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट और NIA की पहले की चार्जशीट से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद यह फैसला लिया।

अभी राणा तिहाड़ जेल में बंद है। राणा को 10 अप्रैल 2025 को अमेरिका से भारत लाया गया था। तहव्वुर राणा को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में FBI ने गिरफ्तार किया था।

उस पर मुंबई के 26/11 और कोपेनहेगन में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड हेडली की गवाही के आधार पर तहव्वुर राणा को 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

कौशल विकास की दिशा में किए जा रहे काम पर की बात, 10वें स्थान पर रहा भारत

मोदी ने वर्ल्ड स्किल्स कंपटीशन के प्रतिभागियों से की मुलाकात

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी





नई दिल्ली। चीन के शंघाई में 22 से 27 सितंबर तक 48वीं वर्ल्ड स्किल्स कंपटीशन का आयोजन किया गया था, जिसको 'कौशल का ओलंपिक' भी कहते हैं। इसमें भारत की तरफ से हिस्सा लेने प्रतिभागी गए थे, जिनके वापस आने के बाद 9 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास पर सभी प्रतिभागियों के साथ मुलाकात की जिसमें पीएम के साथ बातचीत के दौरान प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता के अपने अनुभव साझा किया। प्रतिभागियों ने अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान नए टूल्स, सॉफ्टवेयर, तकनीकी सिस्टम और काम करने के तरीकों को अपनाने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कौशल विकास की दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे उन कामों के बारे में भी बात की जिनसे युवाओं को मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने उनसे कौशल विकास के एंबेसडर बनने का आग्रह किया। पीएम ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि व्यावहारिक कौशल (प्रैक्टिकल स्किल्स) भी एकेडमिक डिग्री जितने ही महत्वपूर्ण हैं।

इन कैटेगिरी में जीते भारत ने जीते 6 सिल्वर

- स्मृति नांबियार: बेकरी
- मोहम्मद सलाम: डेंटल प्रोस्थेटिक्स
- कोविद अजय गंगराडे: डिजिटल इंटरैक्टिव मीडिया डिजाइन
- पार्थ वोहरा: इंडस्ट्रियल डिजाइन टेक्नोलॉजी
- मेहरुन्निसा बेगम: लॉजिस्टिक्स एंड फ्रेट फॉरवर्डिंग
- सानिया जोशी: रिटेल सेल्स

कॉम्पिटिशन में 1,400 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया था

22-27 सितंबर 2026 तक हुए इस छह दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 70 देशों के 1,400 से अधिक युवा प्रतियोगियों ने भाग लिया था। भारत का प्रतिनिधित्व अब तक के सबसे बड़े 70 प्रतियोगियों के दल ने किया, जिन्होंने उभरती टेक्नोलॉजी, प्रोडक्शन, इंजीनियरिंग, क्रिएटीविटी जैसे 63 फील्ड में भाग लिया था। वर्ल्डस्किल्स कॉम्पिटिशन 2026 युवाओं के टैलेंट का सबसे बड़ा इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन है। इसे आसान भाषा में स्किल्स का ओलिंपिक भी कहा जाता है। इसमें अलग-अलग देशों के युवा अपने टेक्नोलॉजी और बिजनेस स्किल का प्रदर्शन करते हैं।

सख्ती : मेट्रो पूरी तरह बंद नहीं कर सकते, इंडिया गेट के आसपास 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद रहेगा

मक्खी मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं : सीजेआई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के शनिवार को होने वाले प्रदर्शन को लेकर ज्यादा सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। CJI सूर्यकांत ने कहा- आपको कुछ चीजों को रोकना ही होगा। उन्हें रोकने के लिए सिर्फ उतनी ही कार्रवाई करें जितनी जरूरी हो। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करें। इस बात का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। इसी के साथ कोर्ट ने कहा कि दिल्ली मेट्रो और ट्रेन सर्विस पूरी तरह बंद नहीं कर सकते। दरअसल CJP के कल होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए आज रात 9 बजे से 57 मेट्रो स्टेशन बंद होने थे। वहीं नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन आने वाली 38 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें कल कैंसिल रहेंगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

कॉकरोच जनता पार्टी के कल के प्रदर्शन को देखते हुए। जनपथ-कर्तव्यपथ क्रॉसिंग के 4 किमी के दायरे में आज रात 10 बजे से कल रात 10 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। दिल्ली पुलिस ने टेलीकॉम कम्पनियों को पत्र लिखकर नेट बंद करने के लिए कहा है।





प्रदर्शन पर सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, 4 बड़ी बातें

- **आम लोगों की सुविधा:** आम नागरिकों को बेवजह परेशानी नहीं होनी चाहिए, हम बस इतना ही चाहते हैं।
- **सुरक्षा बनाम अधिकार:** रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे हैं और सरकार के पास सुरक्षा के दूसरे साधन भी हैं। आप उनका इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन आम नागरिकों को भी स्टेशनों पर जाने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने का पूरा हक है।
- **सख्त टिप्पणी:** "क्या आप मक्खी को मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करेंगे?"
- **प्रदर्शन स्थल:** जंतर-मंतर बहुत छोटी जगह है, प्रदर्शन के लिए किसी बड़ी जगह पर विचार किया जाना चाहिए।

अनिल कुमार बने अम्बेडकरनगर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

जनपद न्यायाधीश ने जारी किया आदेश

पदोन्नति

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर। जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर में श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति के साथ नियुक्त किया गया है। इस संबंध में जनपद न्यायाधीश की ओर से 7 अक्टूबर 2026 को प्रकीर्ण आदेश संख्या 221/2026 और प्रबंध आदेश संख्या 61/2026 जारी किया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री शिवकुमार के 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। रिक्त पद पर पदोन्नति के लिए गठित व्यथा/प्रोन्नति समिति ने प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव के नाम की संस्तुति की।

आदेश के अनुसार वह लिपिक संवर्ग में वरिष्ठतम कर्मचारी हैं। समिति की 6 अक्टूबर 2026 की आख्या का अवलोकन करने के बाद जनपद न्यायाधीश ने संस्तुति को मंजूरी प्रदान कर दी। इसके बाद श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव की प्रशासनिक अधिकारी के पद से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति की गई।

पदोन्नति के बाद उनका पद मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर निर्धारित किया गया है। इस पद का पुनरीक्षित वेतनमान 56,100 से 1,77,500 (लेवल-10) है। प्रबंध आदेश के तहत उन्हें मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त कर दिया गया है। आदेश की प्रतिलिपि आहरण एवं वितरण अधिकारी, वेतन लिपिक, संबंधित कर्मचारी और गार्ड फाइल को अनुपालनार्थ भेजी गई है।



पदोन्नति के बाद जनपद न्यायालय में तत्काल प्रभाव से नियुक्ति

बलिया में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के तेरहवीं कार्यक्रम में पहुंचे सपा प्रमुख

रामगोविंद चौधरी के संघर्ष को आगे बढ़ाएंगे : अखिलेश यादव



रामगोविंद चौधरी को दी श्रद्धांजलि

अखिलेश यादव ने कहा कि रामगोविंद चौधरी की बातों में जनता का दुख-दर्द झलकता था। पक्ष और विपक्ष दोनों के लोग उन्हें गंभीरता से सुनते थे। उनके तर्क विवेकपूर्ण और प्रभावशाली होते थे, जिनका जवाब देना विपक्षियों के लिए भी आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि रामगोविंद चौधरी ने अपने विचारों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम किया और बलिया से निकलकर प्रदेश व देश की राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वह राजनीति में कभी झुके नहीं। अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि उनका संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा।

सांत्वना

तमसा संकेत, संवाददाता

बलिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को बलिया के गोसाईंपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान अखिलेश यादव ने रामगोविंद चौधरी के राजनीतिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वह जमीन से जुड़े नेता थे। उन्होंने किसानों, नौजवानों, गरीबों और मजदूरों के अधिकारों के



लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके विचारों और संघर्ष को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे और चंदे में कथित चोरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री के उस बयान पर सवाल किया, जिसमें 15 दिनों में दूध का दूध और पानी का पानी करने की बात कही गई थी। अखिलेश यादव ने पूछा कि क्या मामले में सच्चाई सामने आ गई है? उन्होंने मुख्यमंत्री को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती भी दी।

2027 में भाजपा को हराने का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन होने जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन मजबूत है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने वाला गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में भी उसे पराजित करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में अब तक की सबसे ज्यादा सीटें जीतने की तैयारी कर रही है।

चुनाव आयोग पर लगाए भेदभाव के आरोप

सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग के कथित भेदभावपूर्ण रवैये और चुनाव में धांधली के खिलाफ लोकतंत्र बचाने के लिए आंदोलन कर रहे लोगों का समाजवादी पार्टी समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने वर्ष 2022 में भी मतदाता सूची से वोट काटे जाने की शिकायत की थी और हलफनामा देकर अपनी बात रखी थी, लेकिन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

2027 में भाजपा को हराएगा इंडिया गठबंधन, अयोध्या में चंदा चोरी, महंगाई, बेरोजगारी और चुनाव आयोग पर साधा निशाना



> सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर अयोध्या के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर लोगों की दुकानें, मकान और जमीनें ली गईं, लेकिन उन्हें जमीन का उचित बाजार मूल्य नहीं मिला। अखिलेश यादव के मुताबिक, अयोध्या में भाजपा की सरकार होने के बावजूद स्थानीय लोगों को न्याय नहीं मिला और उनके साथ धोखा हुआ।

स्कूल बंद होने और पुलिस व्यवस्था पर सवाल

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को शिक्षा विरोधी बताते हुए दावा किया कि प्रदेश में 26 हजार से ज्यादा प्राथमिक विद्यालय बंद हो गए हैं, जबकि बलिया में भी 300 से अधिक स्कूल बंद हुए हैं। उन्होंने एंबुलेंस सेवाओं और पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। बलिया के नरही थाने में पुलिसकर्मियों के भ्रष्टाचार को लेकर पुलिस द्वारा ही छापेमारी किए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा।

फास्ट न्यूज

यूपी के 18 शहरों में दौड़ेंगी 1,725 एसी इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 18 शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 1,725 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन बसों का संचालन ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर किया जाएगा।

खिर फ्रंट के पार्क में पहली बार चली नाव

लखनऊ । लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर 11वें दिन भी लगातार बढ़ रहा है। इसका असर नदी के आसपास बने पार्कों और धार्मिक स्थलों पर दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि गोमती नदी में चलने वाली नाव अब रिवर फ्रंट के पार्क में चलाई जा रही है। यहां पहली बार नाव चलाने की नौबत आई है।

नाव चलाने वाले रामपाल निषाद ने बताया कि वह करीब 40 साल से गोमती नदी के आसपास रह रहे हैं। इस दौरान वह नदी में कूदने वाले सैकड़ों लोगों की जान बचा चुके हैं, लेकिन उन्होंने पहले कभी रिवर फ्रंट के पार्क में नाव नहीं चलाई थी।

करबला जमीन विवाद:मौलाना कल्बे जवाद ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ । नरही स्थित करबला मोतमदुद्दौला आग़ा मीर की जमीन पर कथित अवैध कब्जे, निर्माण के प्रयास और हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।
शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद इमाम-ए-जुमा मौलाना कल्बे जवाद नकवी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया।

यूपी में ब्याज और अर्थदंड माफी योजना-2026 लागू

बकायों पर मिलेगा योजना का लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

- बिक्री कर, व्यापार कर और वैट समेत कई पुराने कर कानूनों के मामले होंगे शामिल
- योगी कैबिनेट ने दी मंजूरी, 3 महीने तक लागू रहेगी ब्याज माफी योजना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत विभिन्न कर कानूनों के अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक सृजित बकायों पर ब्याज और अर्थदंड माफ करने का निर्णय लिया गया है। यह छूट 3 महीने तक लागू रहेगी। योजना के दायरे में बिक्री कर, केंद्रीय बिक्री कर, व्यापार कर, मूल्य संवर्धित कर (वैट) समेत कई कर कानूनों के अंतर्गत आने वाले पुराने बकाये शामिल होंगे। योजना के तहत उत्तर प्रदेश बिक्री कर अधिनियम-1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956, उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979, उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1995, उत्तर प्रदेश प्रवेश कर अधिनियम-2007 और उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम-2008 के अंतर्गत सृजित बकायों को शामिल किया गया है। इसके अलावा मनोरंजन कर से संबंधित नियमावली और उत्तर प्रदेश केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997 से जुड़े मामलों को भी योजना के दायरे में रखा गया है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित तारीख तक सृजित बकायों पर लगने वाले ब्याज और अर्थदंड को माफ करने के लिए यह योजना लागू की जा रही है।

लखनऊ में युवक की ईंट-रॉड से पीटकर हत्या

दुबग्गा । लखनऊ में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके दोस्त ने ईंट और लोहे की रॉड से सिर पर कई वार किए। शुक्रवार सुबह युवक कमरे के बाहर घायल हालत में मिला। पुलिस उसे लोकबंधु अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं। मृतक की पहचान हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के गांव भोटा निवासी सुखपाल (28) के रूप में हुई है। वह पेंटर का काम करता था और पिछले करीब 10 साल से कनौसी में रह रहा था। वह गोलू पाल के प्लांट परिसर में बने कमरे में किराये पर रहता था।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को दूरभाष पर सूचना मिली कि सुखपाल कमरे के बाहर घायल अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे एम्बुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भिजवाया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं को मिलेगी 1 अतिरिक्त साड़ी

अब 3 साल में 1 की जगह हर साल मिलेगी अतिरिक्त साड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता



> प्रति साड़ी 500 रुपये की दर से राज्य सरकार पर कुल 19,01,45,000 रुपये का अनुमानित वित्तीय भार आएगा, जो लगभग 19.02 करोड़ रुपये है।

प्रदेश के 3.80 लाख से अधिक कर्मियों को होगा लाभ,19.02 करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। प्रदेश में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अब विभागीय कार्यों के बेहतर संपादन और कार्यस्थल पर निर्धारित वेशभूषा में काम करने के लिए 1 अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराई जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के कुल 3,80,290 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को लाभ मिलेगा। राज्य सरकार इस पर करीब 19.02 करोड़ रुपये खर्च करेगी। प्रदेश में 1,90,145 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 1,90,145 कार्यकर्ताओं और 1,90,145 सहायिकाओं के पद स्वीकृत हैं। इस तरह कुल 3,80,290 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। सरकार का उद्देश्य विभागीय कार्यों के दौरान निर्धारित वेशभूषा सुनिश्चित करने के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में काम करने वाली कर्मियों को व्यावहारिक राहत देना है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण और मैदानी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मियों को निर्धारित वर्दी के नियमित उपयोग, धुलाई, प्रतिकूल मौसम और आकस्मिक परिस्थितियों में साड़ी के गंदा या खराब हो जाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

हर साल मिलेगी एक अतिरिक्त साड़ी

केंद्र सरकार की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं और 14 से 18 वर्ष तक की किशोरी बालिकाओं को अनुपूरक पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है। इन सेवाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान व्यवस्था के तहत सामान्य योजना में केंद्र और राज्यांश के 60:40 अनुपात में प्रतिवर्ष दो साड़ियां उपलब्ध कराई जाती हैं। अब इसके अतिरिक्त एक साड़ी और दी जाएगी।

33 जनपदों में बाजरा, 25 जनपदों में मक्का और 13 जनपदों में होगी ज्वार की खरीद

31 दिसंबर तक होगी मक्का बाजरा व ज्वार की खरीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश- 48 घंटे के भीतर किसानों को किया जाए भुगतान

तमसा संकेत, संवाददाता



बाजरा का 2.20 लाख, ज्वार 50 हजार और 15 हजार मीट्रिक टन मक्का क्रय का लक्ष्य प्रस्तावित

ज्वार (मालदांडी) का 4073 व ज्वार (हाईब्रिड) का 4023 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित

बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2900 रुपये, मक्का का 2410 रुपये प्रति कुंतल तय

इन 13 जिलों में होगी ज्वार की खरीद

बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, कानपुर नगर-देहात, फतेहपुर, उन्नाव, हरदोई, मीरजापुर, जालौन, झांसी, फिरोजाबाद में ज्वार की खरीद होगी।

लखनऊ। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 'श्रीअन्न' (मोटे अनाज) की खरीद 31 दिसंबर तक चलेगी। खाद्य व रसद मंत्री मनोज कुमार पांडेय के मुताबिक 'मोटे अनाज' में शामिल ज्वार (मालदांडी) का 4073, ज्वार (हाईब्रिड) का 4023 रुपये, बाजरा का 2900 और मक्का का 2410 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 48 घंटे में किसानों को भुगतान कराने का निर्देश दिया है। किसानों के आधार लिंकड बैंक खाते में सीधे भुगतान किया जाएगा। किसान अपनी किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 18001800150 से मदद ले सकते हैं। बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर मोटे अनाज की खरीद ई-पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी। बुलंदशहर, रामपुर, संभल, अमरोहा, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, जालौन, चित्रकूट एवं हमीरपुर (कुल 33 जनपदों) में की जायेगी।

मक्का खरीद के लिए 25 जनपद प्रस्तावित

मक्का खरीद 25 जनपदों में होगी। यह जनपद बुलंदशहर, बदायूं, हरदोई, उन्नाव, मैनपुरी, आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बहराइच, गोंडा, देवरिया, बलिया, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र एवं ललितपुर हैं।

68,500 शिक्षक-अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आवास घेरा

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थी सड़क पर लेट गए। सिर पर 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहनकर सीटी बजाई और नारे लगाए। प्रदर्शन करीब 35 मिनट तक चला। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें जबरन हटाया और बदसलूकी की। उनकी मांग है कि 2018 की भर्ती में आरक्षण का लाभ दिया जाए। साथ ही 5% छूट के आधार पर चयन सूची में बदलाव कर नई सूची जारी की जाए। अभ्यर्थियों ने कहा कि अब उन्हें नियुक्ति चाहिए, नहीं तो वे आंदोलन जारी रखेंगे। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए।

आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी के इंटर्न स्टूडेंट्स का भत्ता दोगुना

अब मिलेंगे 15 हजार रुपये, आयुर्वेद के 588

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों से बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस परीक्षा उत्तीर्ण स्टूडेंट्स को रोटेटिंग इंटर्नशिप के दौरान दिए जाने वाले इंटर्नशिप भत्ते में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के निर्णय के बाद अब बीएचएमएस, बीएएमएस और बीयूएमएस की इंटर्नशिप करने वाले स्टूडेंट्स के इंटर्नशिप भत्ते को 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। यानी इंटर्नशिप भत्ते में दोगुनी वृद्धि होगी। इस निर्णय का लाभ आयुर्वेद के 588, यूनानी के 150 और होम्योपैथी के 976 इंटर्न छात्र-छात्राओं को मिलेगा। प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्टूडेंट्स के लिए रोटेटिंग इंटर्नशिप करना अनिवार्य होता है। इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट्स राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में मरीजों के उपचार में चिकित्सकीय सहयोग करते हैं। इसके साथ ही इंटर्न विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन वार्ड, ओपीडी और रात्रि ड्यूटी में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है। फिलहाल प्रदेश के होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सालयों में बीएचएमएस, आयुर्वेदिक एवं यूनानी मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सालयों में बीएएमएस और बीयूएमएस की इंटर्नशिप करने वाले छात्र-छात्राओं को 7,500 रुपये प्रतिमाह इंटर्नशिप स्टाइपेंड मिलता था, जिसे बढ़ाकर अब 15,000 रुपये करने का निर्णय किया गया है।

प्रदर्शन : व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बेहोश, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

आप कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प



तमसा संकेत, एजेंसी



व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गए।

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (AAP) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन चौराहे पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए और टांगकर मौके से ले गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा बेहोश हो गए। प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को पकड़कर हटाया और घसीटते हुए व टांगकर वहां से ले गए।

स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठे कार्यकर्ता

AAP कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की। वे चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें।

> प्रदर्शन को देखते हुए स्वास्थ्य भवन चौराहे पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका। प्रदर्शन खत्म होने के बाद मौके पर स्थिति सामान्य करने के लिए पुलिस बल मौजूद रहा।



पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

वृंदावन योजना में 7.06 एकड़ में विकसित होगा सिटी बस टर्मिनल

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए बनेगा समर्पित टर्मिनल

तमसा संकेत, संवाददाता

- लखनऊ में 265 करोड़ से बनेगा आधुनिक इंटीग्रेटेड बस टर्मिनल, यात्रियों को मिलेगा एयरपोर्ट जैसा अनुभव
- बस टर्मिनल पर 60 करोड़ और वाणिज्यिक सुविधाओं के विकास पर खर्च होंगे 205 करोड़ रुपये
- टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, चार्जिंग स्टेशन, रेस्तरां, दुकानें और एटीएम समेत मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में लखनऊ की वृन्दावन योजना स्थित पी-4 पार्किंग में एकीकृत सिटी बस टर्मिनल और वाणिज्यिक क्षेत्र सुविधाओं का पीपीपी मोड पर विकास कराए जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना की कुल लागत करीब 265 करोड़ रुपये होगी। इससे शहर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए अतिरिक्त टर्मिनल उपलब्ध होगा और यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस टर्मिनल को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रियों को एयरपोर्ट जैसा अनुभव मिल सके।

नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में लखनऊ में 116 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन दुबग्गा डिपो से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 300 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रक्रिया भी चल रही है। प्रस्तावित बसों के संचालन के लिए अतिरिक्त समर्पित टर्मिनल की आवश्यकता को देखते यह निर्णय लिया गया है। इसकी अनुमानित लागत में 60 करोड़ रुपये बस टर्मिनल और 205 करोड़ रुपये वाणिज्यिक सुविधाओं के विकास पर खर्च होंगे। इसमें भूमि की लागत शामिल नहीं है। परियोजना का कुल क्षेत्रफल लगभग 7.06 एकड़ है। टर्मिनल में बस-वे, बस पार्किंग, इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मरम्मत सुविधाएं, कर्मचारियों के विश्राम कक्ष, प्रशासनिक कार्यालय और सुरक्षा कक्ष बनाए जाएंगे। यात्रियों के लिए टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र, प्रतीक्षालय और सामान रखने की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

3 महीने बाद चेतावनी बिंदु से नीचे आया पानी, बाढ़ प्रभावितों को राहत
गंगा का जलस्तर 15 सेंटीमीटर घटा

गिरावट

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा के जलस्तर में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार सुबह केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार जलस्तर घटकर 111.88 मीटर पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में जलस्तर में 15 सेंटीमीटर की कमी आई है। गंगा का जलस्तर अब चेतावनी बिंदु 112 मीटर से 12 सेंटीमीटर नीचे आ गया है। करीब तीन महीने बाद जलस्तर चेतावनी बिंदु से नीचे पहुंचने से शुक्लागंज और आसपास के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने राहत की उम्मीद जताई है। हालांकि, निचले इलाकों में अब भी पानी भरा होने से जनजीवन पूरी तरह सामान्य नहीं हो सका है। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद शुक्लागंज और आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई थी। कई बस्तियों में पानी घुसने से लोगों को घरों से निकलने और जरूरी कामकाज के लिए आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा था। अब जलस्तर में लगातार गिरावट आने से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।



नेतुआ स्थित कान्हा गौशाला में भी बाढ़ का पानी दोबारा प्रवेश कर गया था। वहीं, त्रिभुवनखेड़ा पावर हाउस के पास पानी पहुंचने से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

संपर्क मार्गों पर जलभराव

वहीं, शहर के रविदास नगर, मालवीय नगर, श्रीनगर और इंद्रानगर में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया था। कई संपर्क मार्गों पर जलभराव होने से लोगों को आवागमन के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। जलस्तर घटने के बावजूद निचले इलाकों में जमा पानी लोगों के लिए परेशानी बना हुआ है।

पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई

हालांकि, जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकलने में अभी समय लग सकता है। गंगा में उफान के चलते गोताखोर, कर्बला, हुसैन नगर, तेजीपुरवा और सैय्यद कंपाउंड समेत शुक्लागंज के कई तटीय इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया था। घरों के आसपास और रास्तों पर पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थीं। ऐसे में बाढ़ प्रभावित परिवारों को पूरी राहत मिलने में अभी समय लगने की संभावना है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी जनजीवन प्रभावित हुआ था। गगनीखेड़ा और फत्तेखेड़ा समेत कई गांवों में दोबारा बाढ़ का पानी पहुंच गया था। गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों पर पानी भरने से ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।



लोगों को सतर्क रहने की जरूरत

फिलहाल जलस्तर में गिरावट से तटीय क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, निचले इलाकों में जलभराव और संपर्क मार्गों पर पानी जमा होने के कारण लोगों की परेशानी बरकरार है। जलस्तर में दोबारा बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों और तटीय इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

तालाब में डूबने से बीए की छात्रा की हूई मौत

उन्नाव में 20 फीट गहरे तालाब में डूबी, 3 घंटे बाद मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

सुमेरपुर, उन्नाव। उन्नाव में बिहार थाना क्षेत्र के भगोली खेड़ा गांव में शुक्रवार की सुबह उस समय मातम छा गया, जब घर के सामने स्थित तालाब में डूबने से 18 वर्षीय बीए की छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान कुलदीप सिंह की पुत्री डॉली सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीत्कार मच गया और देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ तालाब किनारे जमा हो गई। स्वजनों के अनुसार, डॉली सिंह सतगुरु डिग्री कॉलेज धानी खेड़ा में बीए की छात्रा थी। पिछले 15 दिनों से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं चल रही थी। परिजनों ने उसे भारती अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां कुछ सुधार होने पर उसे वापस घर लाया गया था। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे मानसिक संतुलन बिगड़ने के कारण डॉली अचानक घर के सामने बने लगभग 20 फीट गहरे तालाब की ओर चली गई और अनजाने में गहराई की तरफ बढ़ती चली गई। छात्रा को पानी में जाते देख पास में मौजूद उसके चाचा प्रदीप सिंह उसे बचाने के लिए तुरंत तालाब में कूद पड़े। उन्होंने डॉली को पकड़कर बाहर निकालने का भरसक प्रयास किया, लेकिन पानी गहरा होने और गहराई अधिक होने के कारण हाथ से पकड़ छूट गई और डॉली आंखों के सामने ही डूब गई।



फास्ट न्यूज

गंगा और रामगंगा समेत 5 नदियों का उफान

हरदोई। हरदोई जिले में गंगा, रामगंगा, गर्रा, गोमती और सई नदी के उफान के साथ बीते दिनों हुई बारिश ने हालात गंभीर कर दिए हैं। जिले के कई इलाकों में बाढ़ का पानी खेतों और रिहायशी क्षेत्रों में घुस गया है। लहलहाती फसलें जलमग्न होने से किसानों की महीनों की मेहनत बर्बाद हो रही है। गांवों की गलियों और रास्तों में पानी भरने से आवागमन प्रभावित है। फसलों के नुकसान के चलते किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क के खिलाफ व्यापारी लामबंद

बाराबंकी। बाराबंकी में 2000 से अधिक के डिजिटल भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) शुल्क लगाने के प्रस्ताव का व्यापारियों ने विरोध किया। व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस शुल्क को तुरंत स्थगित कर व्यवस्था खत्म करने की मांग की है। उनका कहना है कि कोरोना के दौरान डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला था, जो अब रोजमर्रा का हिस्सा है।

बाराबंकी में 128 साल पुरानी बारादरी राजकीय धरोहर घोषित

बाराबंकी। बाराबंकी में गोकुलपुर-असेनी रियासत के तालुकेदार कुंवर गिरधारी सिंह की 128 साल पुरानी बारादरी को राजकीय धरोहर घोषित किया गया है।

लंबे समय से उपेक्षा और जर्जर हालत का सामना कर रही इस ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण का रास्ता साफ हो गया है।

राज्य पुरातत्व विभाग इसकी ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखने की दिशा में काम करेगा।

परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका जताई, मौत की वजह तलाश रही पुलिस
नहर में उतराता मिला युवक का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र में बरकोता नहर से शुक्रवार सुबह एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राजेपुर गांव के पास रहने वाले सिद्धांत मिश्रा (25) पुत्र स्व. प्रवीण मिश्रा के रूप में हुई है। वह गदनखेड़ा स्थित ओम ऑटोमो-बाइल्स महिंद्रा शोरूम में सेल्समैन के पद पर कार्यरत था। परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या कर शव नहर में फेंके जाने की आशंका जताई है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार सुबह तलाश के दौरान दुलियाखेड़ा गांव के पास बरकोता नहर के किनारे सिद्धांत की साइकिल लावारिस हालत में पड़ी मिली। इसके बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में खोजबीन की। लेकिन पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है। इंस्पेक्टर सदर कोतवाली सीके मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।



गुरुवार शाम घर से निकला, फिर नहीं लौटा

परिजनों के मुताबिक, सिद्धांत गुरुवार शाम करीब 7:45 बजे डीलर से लौटने के बाद घर पहुंचा था। कुछ देर बाद वह घर के पास स्थित रेस्टोरेंट से कुछ खाने-पीने की बात कहकर निकला। उसने परिजनों से थोड़ी देर में वापस आने की बात कही थी, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सूचना मिलने पर पुलिस ने भी युवक की खोजबीन शुरू कर दी।

शरीर पर नहीं मिले जाहिरा चोट के निशान

पुलिस के अनुसार, युवक के शरीर पर जाहिरा तौर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका जताई है, लेकिन पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है। इंस्पेक्टर सदर कोतवाली सीके मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई करेगी।

66 साइकिल मिलने वाली जगह से कुछ दूरी पर पुलिया के करीब 50 मीटर आगे नहर में युवक का शव उतराता मिला। पुलिस ने सुबह करीब नौ बजे शव बरामद कर लिया।

उन्नाव के बीघापुर की शिखा पटेल बनीं ईडी अधिकारी

पिता के निधन के बाद भी नहीं हारी हिम्मत, 19 साल की उम्र में मिली सफलता

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के बीघापुर (रग्घूखेड़ा) की रहने वाली शिखा पटेल ने 19 साल की उम्र में प्रवर्तन निदेशालय (ED) में अधिकारी बनकर सफलता हासिल की है। उनकी यह उपलब्धि कई मुश्किलों के बाद मिली है।

शिखा ने यूपी बोर्ड परीक्षा में 95.33% (572 अंक) हासिल कर प्रदेश में 5वीं और जिले में पहली रैंक पाई थी। तब तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री ने भी उन्हें फोन कर बधाई दी थी। कोरोना काल में जब शिखा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं, तभी उनके पिता धर्मेंद्र कुमार सिंह का हार्ट अटैक से निधन हो गया। इस मुश्किल समय में भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अपनी मां (जो खुद एक शिक्षिका हैं) के सहयोग और कड़ी मेहनत से शिखा ने ED में अधिकारी का पद पाया। ED के प्रशिक्षण में भी वह प्रथम रहीं, जिसके लिए ED डायरेक्टर राहुल नवीन ने उन्हें सम्मानित किया। 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत शिखा को एक दिन के लिए थाना बीघापुर का प्रभारी निरीक्षक (SHO) भी बनाया गया था। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और बैंक व चौकी का निरीक्षण भी किया था।



उन्नाव में आगामी त्यौहार को लेकर प्रशासन सतर्क

शुक्लागंज रामलीला को जगह दिलाने का आश्वासन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव। आगामी नवरात्रि और दीपावली के त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शुक्रवार दोपहर विकास भवन सभागार में पीस कमेटी की बैठक हुई।

डीएम घनश्याम मीना और एसएसपी जय प्रकाश सिंह की मौजूदगी में आयोजित बैठक में त्योहारों के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई और मार्ग व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सभी समुदायों के प्रतिनिधियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की अपील की। बैठक में सीडीओ कृतिराज, एडीएम सुशील कुमार गोंड समेत जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में त्योहारों के दौरान प्रमुख मार्गों और धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई, आवागमन को सुचारु रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को समय से व्यवस्थाएं दुरुस्त रखनी होंगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी समस्या का समय रहते समाधान करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर अपने सुझाव रखे।



पीस कमेटी की बैठक में शुक्लागंज की वर्षों पुरानी पारंपरिक रामलीला के आयोजन स्थल का मुद्दा भी उठा। समाजसेवी नील कमल दीक्षित ने डीएम घनश्याम मीना को बताया कि शुक्लागंज में लंबे समय से रामलीला का आयोजन होता आ रहा है, लेकिन हर साल आयोजन के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने की समस्या सामने आती है।

बैंगलुरु के खाताधारक से साइबर पुलिस ने 7 दिन में वापस कराए
गलती से दूसरे खाते में ट्रांसफर हुए 14 लाख रुपए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गलती से दूसरे खाते में ट्रांसफर हुए 14 लाख रुपये वापस मिलने से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक और वॉलेट से संपर्क किया और रकम को होल्ड कराया। इसके बाद पूरी धनराशि पीड़ित के मूल बैंक खाते में वापस करा दी गई। सात दिन के भीतर रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने राहत महसूस की। शुक्रवार दोपहर दो बजे पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने मामले की जानकारी देते हुए साइबर अपराध और ऑनलाइन लेनदेन में सावधानी बरतने की अपील की। धनराशि वापस कराने की कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, निरीक्षक राजेश कुमार मिश्रा, मुख्य आरक्षी अजय पाल, तरुण कुमार सिंह, महिला कांस्टेबल प्रियांशी यादव, महिला आरक्षी अर्चना पाण्डेय, आरक्षी शमसुद्दीन, मोनू यादव और पंकज यादव शामिल रहे।



पुलिस के अनुसार, जपसरा के राम प्रसाद खेड़ा निवासी विशाल कुमार साहू ने एक अक्टूबर 2026 को गलती से 14 लाख रुपये दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए थे। गलती का पता चलने पर उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत की और अपनी धनराशि वापस दिलाने की मांग की। इतनी बड़ी रकम गलत खाते में चले जाने से पीड़ित परेशान हो गया था।

बैंक और वॉलेट से संपर्क कर रकम कराई होल्ड

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाई और संबंधित बैंक व वॉलेट से पत्राचार किया। इसके बाद ट्रांसफर की गई धनराशि को होल्ड कराया गया, जिससे रकम वापस कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

पुलिस के प्रयासों के बाद आठ अक्टूबर 2026 को 14 लाख रुपये की पूरी धनराशि विशाल कुमार साहू के मूल बैंक खाते में वापस करा दी गई। जो कि बैंगलुरू के एक खाते में ट्रांसफर हो गयी थी। इस तरह गलत खाते में ट्रांसफर हुई रकम सात दिन के भीतर वापस मिलने से पीड़ित को बड़ी आर्थिक राहत मिली।

विरोध : उन्नाव में डीएम से कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने का दावा

मिनी औद्योगिक आस्थान की जमीन को लेकर उद्यमियों का प्रदर्शन

- औद्योगिक आस्थान की जमीन पर विवाद, उद्यमियों ने निष्पक्ष जांच मांगी।
- भूखंड खाली कराने के नोटिस पर सवाल।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कस्बे स्थित मिनी औद्योगिक आस्थान की जमीन को लेकर शुक्रवार को सैकड़ा से अधिक उद्यमियों ने प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। उद्यमियों ने उद्योग विभाग की भूमि और संपत्ति में अनधिकृत हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में प्रभावित उद्यमियों ने जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त को सामूहिक प्रार्थना-पत्र भी दिया है। उद्यमियों का आरोप है कि उन्हें उद्योग केंद्र की ओर से व्यवसाय के लिए भूखंड आवंटित किए गए थे। नियमानुसार रजिस्ट्री कराने के बाद उन्होंने जमीन की कीमत बैंक के माध्यम से जमा की और अपने उद्योग स्थापित किए। अनूप गौड़ ने बताया कि उनके भूखंड की रजिस्ट्री करीब 12 वर्ष पहले हुई थी और करीब आठ वर्ष से वह वहां मकान व उद्योग का संचालन कर रहे हैं। उनका कहना है कि इतने वर्षों तक किसी ने जमीन को लेकर आपत्ति नहीं की।



बाउंड्री बना दिए जाने से आवागमन प्रभावित

प्रार्थना-पत्र में गाटा संख्या 1038 की पैमाइश और सीमांकन कराने की मांग की गई है। उद्यमियों का आरोप है कि सड़क के बीच गेट और बाउंड्री बना दिए जाने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा आस्थान की चारदीवारी तोड़े जाने, सरकारी जेसीबी व ट्रैक्टर समेत अन्य संसाधनों के कथित इस्तेमाल और बिना अनुमति कैमरे लगाए जाने की भी जांच की मांग की गई है। उद्यमियों ने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के अधिवक्ता के माध्यम से 'रिमाइंडर एंड फाइनल नोटिस' भेजकर परिसर खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है। चेयरमैन प्रतिनिधि से इस सम्बंध में फोन से प्रयास किया गया लेकिन फोन रिसीव नही हुआ।

मुख्यमंत्री ऑनलाइन पोर्टल पर भी शिकायत

उनका कहना है कि मामले की शिकायत उद्योग विभाग और डीएम से कई बार की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ऑनलाइन पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई। तहसील स्तर से संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर उद्यमियों ने अपनी-अपनी रजिस्ट्री और बयान भी उपलब्ध कराए, लेकिन अभी तक कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है। उद्यमियों ने राजस्व, उद्योग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम से मौके की जांच, सीमांकन कराने और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। साथ ही दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है।

सपा ने मनाया कांशीराम का महापरिनिर्वाण दिवस

नेताओं ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, उनके विचारों पर चलने का संकल्प

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को करीब 1:15 बजे निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल की अध्यक्षता में मान्यवर कांशीराम का महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान पार्टी के तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उन्हें गरीबों, शोषितों और वंचित समाज का सच्चा मसीहा बताते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का दृढ़ संकल्प लिया। इस अवसर पर कई प्रमुख सपा पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित सपा नेता अखिलेश पाठक ने कहा कि मान्यवर कांशीराम देश के गरीबों, नौजवानों, शोषितों, पीड़ितों और वंचित समाज के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज के उपेक्षित और दबे-कुचले लोगों को जागरूक करने तथा उनकी दशा व दिशा को बदलने में लगा दिया। अजय सिंह पाल ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने समाज के लिए अपनी सरकारी नौकरी तक का त्याग कर दिया था। सदियों से सताए गए वंचित समाज को नई जिंदगी और नई सामाजिक व राजनीतिक आजादी दिलाने में उनका योगदान ऐतिहासिक और अविस्मरणीय है। कार्यक्रम के अंत में सभी सपा कार्यकर्ताओं ने मान्यवर कांशीराम के बताए हुए संघर्षशील रास्तों पर पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया। इस श्रद्धांजलि सभा में समाजवादी पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से प्रदीप राजवंशी, सुशील हंस, राजाराम यादव, कुलदीप यादव, अशोक सक्सेना भोजवाल, अफसर अली, मोतीलाल यादव, परिवेश श्रीवास्तव और सुरेंद्र पाल यादव समेत कई अन्य लोग शामिल रहे।



सम्पादकीय

जीएसटी परिषद के फैसले


वित्त मंत्री

वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी परिषद की बैठक में जो फैसले लिए गए, वे समय की मांग थे। इस परिषद का सबसे उल्लेखनीय फैसला इस विभाग के अधिकारियों से गिरफ्तारी के अधिकार को खत्म करने का है। यह फैसला इसलिए उचित है, क्योंकि इसके पहले की वैट व्यवस्था में भी टैक्स अधिकारियों को यह अधिकार प्राप्त नहीं था।

इस फैसले से कारोबार जगत को राहत मिलेगी, क्योंकि इस अधिकार के चलते सही तरीके से कारोबार करने वाले व्यापारियों में भी अनावश्यक डर का माहौल बना रहता था। गिरफ्तारी का अधिकार खत्म होने से जीएसटी विभाग का ध्यान टैक्स की वसूली, खातों की जांच और जुर्माने पर ही अधिक रहेगा।

यह भी उचित फैसला है कि यदि फर्जी बिलिंग या टैक्स चोरी का कोई मामला सामने आता है तो उसका निपटारा सामान्य धोखाधड़ी के रूप में किया जाएगा। जीएसटी परिषद ने कुछ अन्य फैसले भी लिए हैं, जैसे 10 दिनों में रिफंड की मंजूरी और 17 दिनों में उसका भुगतान। अब रिटर्न में किसी तरह की गड़बड़ी के चलते कारोबारियों को कारण बताओ नोटिस से राहत मिलेगी और दस हजार से कम की टैक्स डिमांड पर कारण बताओ नोटिस नहीं आएगा। इसके अतिरिक्त छोटे ई कामर्स आपरेटरों को अलग-अलग राज्यों में कारोबार के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराना होगा। छोटे कारोबारियों को अब 30 दिनों के अंदर पेनाल्टी देने पर छूट भी मिलेगी। जीएसटी परिषद को अपने फैसलों के सकारात्मक परिणामों पर तो नजर रखनी ही चाहिए। इसी के साथ उसे यह भी देखना होगा कि इस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगाम लगे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नियम-कानूनों में किसी तरह के उल्लंघन का हवाला देकर टैक्स अधिकारी कारोबारियों को तंग करते हैं और उनसे अवैध वसूली करते हैं। कोई भी टैक्स व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जो किसी को भी बेवजह तंग न कर सके। इससे ही उद्योग-व्यापार फलेंगे-फूलेंगे और ऐसा होना वक्त की एक बड़ी मांग है।

ध्यान रहे कि देश के साथ विदेश के भी कारोबारी टैक्स संबंधी नियमों को सरल और सुगम बनाने की मांग करते ही रहते हैं। यह मांग पूरी होनी चाहिए, क्योंकि इससे कारोबार जगत में भरोसा बढ़ता है और इसके नतीजे में उसे गति मिलती है। जैसे जीएसटी विभाग से यह अपेक्षित है कि वह कारोबार को तेजी के साथ फलने-फूलने वाला माहौल बनाए, वैसे ही कारोबारियों के लिए भी यह जरूरी है कि वे नियम-कानूनों के पालन को लेकर प्रतिबद्ध रहें। टैक्स चोरी के मामले थमने ही चाहिए। जीएसटी के नियमों में लगातार सुधार किए जाने के बाद अब इस शिकायत के लिए गुंजाइश नहीं रह जाती कि व्यवस्था जटिल है। समय और तकनीक के साथ कदमताल मिलाना कारोबारियों की भी जिम्मेदारी है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

> 66
> सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है।



हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि 'जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास' की सोच को 'जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन' में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है। हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं।

-ललित गर्ग

इस कथा का...

कुमार कृष्णन

चंडिका स्थान : शक्ति, साधना और लोकविश्वास का संगम

शक्ति की आराधना केवल देवी के किसी रूप के सामने सिर झुकाने का नाम नहीं है। भारतीय लोकजीवन में शक्ति उस चेतना का नाम भी है, जो संकट के समय मनुष्य को भीतर से खड़ा करती है। शारदीय नवरात्र इसी शक्ति की उपासना का पर्व है। नौ रातों तक देवी के नौ रूपों की आराधना के बीच मुंगेर का चंडिका स्थान अपनी अलग आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ सामने आता है। गंगा के किनारे, श्मशान की निकटता और लोकविश्वास की गहरी जड़ों के बीच स्थित यह स्थल श्रद्धा, साधना और शक्ति की एक ऐसी परंपरा को अपने भीतर समेटे हुए है, जिसकी स्मृति सदियों से लोकमानस में चली आ रही है।

मुंगेर शहर से लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित चंडिका स्थान को स्थानीय परंपरा में शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव जब सती के जले हुए शरीर को लेकर विचरण कर रहे थे, तब सती की बाईं आंख यहां गिरी थी। इसी कारण इस स्थान का संबंध शक्ति की उपासना से जोड़ा जाता है। शक्तिपीठों की संख्या और उनके संबंध में विभिन्न धार्मिक परंपराओं में अलग-अलग मान्यताएं मिलती हैं। चंडिका स्थान की पहचान भी इसी लोकपरंपरा और आस्था से निर्मित हुई है।

यहां देवी को चंडिका के रूप में पूजा जाता है। चंडी शक्ति का वह उग्र रूप हैं, जो केवल विनाश का प्रतीक नहीं, बल्कि अधर्म और अराजकता के विरुद्ध प्रतिरोध की ऊर्जा का भी प्रतीक है। शारदीय नवरात्र में इस अर्थ की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

चंडिका स्थान की विशेषता उसकी भौगोलिक स्थिति भी है। मंदिर के पूर्व और पश्चिम में श्मशान और समीप बहती गंगा ने इस स्थल को एक विशिष्ट आध्यात्मिक वातावरण दिया है। जीवन और मृत्यु, सृजन और विनाश, आस्था और वैराग्य—इन विरोधी प्रतीत होने वाले तत्वों का एक साथ उपस्थित होना इस स्थान को साधना की दृष्टि से अलग पहचान देता है। यही कारण है कि लोकमान्यता में चंडिका स्थान को तंत्र-साधना का भी महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है और नवरात्र में विभिन्न स्थानों से साधक यहां आते हैं।

मंदिर में पूजा की परंपरा भी विशिष्ट है। नवरात्र के दौरान प्रातःकाल से ही पूजा-अर्चना आरंभ हो जाती है और संध्या में श्रृंगार पूजन होता है। अष्टमी के दिन विशेष पूजा होती है। उस दिन देवी का विशेष श्रृंगार किया जाता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मुंगेर के साथ-साथ खगड़िया और बेगूसराय सहित आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है।

चंडिका स्थान से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध लोककथाओं में महाभारत के कर्ण और उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। लोकविश्वास के अनुसार कर्ण देवी चंडिका के परम भक्त थे। वे प्रतिदिन गंगा स्नान के बाद देवी की आराधना करते और खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूदकर अपने प्राण अर्पित कर देते। देवी उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें जीवनदान देतीं और सोना प्रदान करतीं। कर्ण उस सोने को मुंगेर के कर्ण चौरा में ले जाकर लोगों के बीच बांट देते थे।

लोककथा आगे बताती है कि इस रहस्य की जानकारी उज्जैन के राजा विक्रमादित्य को हुई। वे स्वयं चंडिका स्थान पहुंचे और इस अद्भुत दृश्य को देखा। एक दिन उन्होंने कर्ण से पहले मंदिर पहुंचकर देवी की परीक्षा लेने का प्रयास किया। वे भी खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूदे। देवी ने उन्हें जीवनदान दिया। ऐसा तीन बार हुआ। चौथी बार जब विक्रमादित्य कड़ाही में कूदने लगे तो देवी ने उन्हें रोक दिया और वरदान मांगने को कहा। उन्होंने सोना देने वाला थैला और अमृत कलश मांगा। लोकविश्वास है कि उनकी इच्छा पूरी करने के बाद देवी ने कड़ाही को उलट दिया और उसमें अंतर्ध्यान हो गईं। मंदिर में आज भी उस कड़ाही से जुड़ी परंपरा का स्मरण किया जाता है।

इस कथा का धार्मिक अर्थ जितना महत्वपूर्ण है, उससे कम महत्वपूर्ण इसका लोकनैतिक अर्थ नहीं है। कर्ण की कथा में शक्ति पाने से अधिक महत्वपूर्ण है शक्ति का लोककल्याण में उपयोग। यदि प्राप्त संपदा केवल स्वयं के लिए हो तो वह शक्ति नहीं, संग्रह है। कर्ण के प्रसंग में लोकस्मृति उस संपदा को बांटने और दूसरों के जीवन में उपयोग करने की बात करती है। शायद इसी कारण कर्ण की कथा चंडिका की आराधना से जुड़कर शक्ति को दान और लोककल्याण के अर्थ से जोड़ देती है। चंडी के स्वरूप को लेकर परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती की व्याख्या इस लोकविश्वास को एक व्यापक आध्यात्मिक अर्थ देती है। उनके अनुसार चंडी देवी का आक्रामक पहलू हैं। जब मानवीय और दैवीय प्रयास अपनी सीमा तक पहुंच जाते हैं, तब चंडी की शक्ति प्रकट होती है।

ग्रामीण अंचलों ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जौनपुर में कचरा प्रबंधन से आजीविका का सशक्त मॉडल बनी नाथुपुर ग्राम पंचायत

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता को संधारणीय बनाने और ग्राम पंचायतों को 'ओडीएफ प्लस मॉडल' के रूप में विकसित करने की दिशा में व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद जौनपुर के विकास खंड सिरकोनी की ग्राम पंचायत नाथुपुर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक अनुकरणीय पहल की है। ग्राम पंचायत ने रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) के संचालन को महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़कर गांव में नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आजीविका संवर्धन का एक व्यावहारिक मॉडल स्थापित किया है।

ग्रामीण अंचलों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर परिसंपत्तियों का निर्माण तो किया गया, किंतु प्रारंभिक दौर में इसके संचालन में व्यावहारिक चुनौतियां सामने आईं। नाथुपुर में आरंभ में केंद्रीय वित्त आयोग के टाइड फंड से ई-रिक्शा और अन्य बुनियादी संसाधनों की व्यवस्था कर एक कर्मचारी के माध्यम से केंद्र संचालित करने का प्रयास किया गया। कार्य से प्रत्यक्ष आय या प्रोत्साहन न जुड़ा होने के कारण व्यवस्था में स्वामित्व की कमी रही और कर्मचारी की ग्राम पंचायत पर पूर्ण निर्भरता के चलते कुछ समय बाद यह केंद्र निष्क्रिय हो गया। इसके उपरांत ग्रामवासियों एवं स्थानीय दुकानदारों से उपयोगकर्ता शुल्क लेकर केंद्र चलाने की रूपरेखा तैयार की गई। नियमित अंशदान में एकरूपता और जनसहभागिता के अभाव के कारण यह व्यवस्था भी दीर्घकालिक रूप से सफल नहीं हो सकी। इन पूर्व अनुभवों से सीख लेते हुए जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत द्वारा नीतिगत सुधार किया गया और आरआरसी संचालन की समग्र जिम्मेदारी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह को सौंपने का निर्णय लिया गया। इस नई कार्ययोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत ने आधारभूत संरचना को सशक्त करते हुए समूह को सुसज्जित रिसोर्स रिकवरी सेंटर, निर्बाध विद्युत एवं जल आपूर्ति, पक्का संपर्क मार्ग और सक्रिय ई-रिक्शा उपलब्ध कराया। इसके साथ ही समूह को प्रारंभिक संचालन सहयोग प्रदान करते हुए गांव में घर-घर से कचरा संग्रहण, अपशिष्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण की पूरी जिम्मेदारी दी गई। इस व्यवस्था से केंद्र की निर्भरता पंचायत निधि पर समाप्त हुई और वह आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा।

समूह की महिलाओं के क्षमता संवर्धन हेतु विकास खंड स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और केंद्र संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सदस्यों को स्थानीय कबाड़ बाजारों का भ्रमण कराया गया, जिससे वे विभिन्न प्रकार के कचरों के व्यावसायिक मूल्य से परिचित हो सकीं। विशेष रूप से सूखे प्लास्टिक कचरे की छंटाई, सफाई, वर्गीकरण और बंडलिंग की तकनीक सिखाई गई, जिससे मूल्य संवर्धन के माध्यम से पुनर्चक्रण 'रीसाइक्लिंग' योग्य सामग्री का बाजार में बेहतर मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

बचपन की ओर

पूरी दुनियां हमें प्यार करती हैं अगर मासूम बच्चे सी मुस्कान आंखों मे हो। आसमान हमारे संग अपना स्वर मिलाता है ,अगर हमारे उडने की चाहत पांखों मे हो। वादियों का नैसर्गिक सौंदर्य, हमारी यादों का अमिट हिस्सा बन जाता हैं । वह मुश्किल कैसी भी हो, दम तोड देती है, अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हमारी सांसों मे हो। हम सबने अपने बचपन में यह महसूस किया था कि दुनिया कितनी सरल थी, मार्केट में दो तरह के बिस्किट, दो-तीन तरह के साबुन, दो टीवी चैनल और कुछेक खेल आदि- आदि । हर चीज सरल थी, सीधे दिल तक पहुंचती थी । लेकिन अब ? हम सब आज उम्र की जिस दहलीज़ पर खड़े हैं, हमारे जीवन को कितना संघर्षमय बना कर यहां तक बढ़े हैं। मज़े की बात यह और है कि आज भी संघर्षों का अंत नहीं हुआ है। और लगता भी है अंत तक अंत होता भी नहीं दीखता है। ऐसे में हमें अपना बचपन बहुत याद आता है। वह जहां बस खेलना- कूदना वो दादी नानी की गोद का बिछौना आदि-आदि । हमारा मन कही ना होने पर वह रूठना और रोना था । मा व बड़ों का क्या-क्या न कह कर मनाना हैं । चांद - तारे तक मेरे बताना हैं । आदि-आदि क्या-क्या न कह कर बहलाना हैं । वह कितनी मौज थी, कितनी मस्ती थी। कभी चुपके से मां - बाबा को कहते सुनते थे । हमारी रौनक घर में कितनी थी, बस्ती कितनी थी। अब कभी-कभी सोचते हैं कि हमने अपनी जिन्दगी पेचीदी बिना मतलब क्यों बना ली है। इसे बचपन में तब जैसी थी क्यों नहीं रख पाए। मैं यह सोचते-सोचते गहरे चिन्तन में डूब जाता हूं । दादासा , बाईं मां , काकीसा आदि - आदि की बिना बोले हर समय उमड़ने वाली ममता ,करुणा ,वात्सल्य और सदैव मां जैसा अपनापन आदि - आदि जो अभी हो तो कितना अच्छा हो ।। क्या ऐसा करना अब फिर संभव नहीं है ? मैं तो सोच ही रहा हूं , आप भी तो जरा सोचिये, निकालिए कोई राह, वहां हम पहुंच जाये, यह पेचीदा राह छोड़-छाड़ कर अपने ही द्वारा बनाई।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

विश्व कृषि पर्यटन...

केवल राम

प्रदेश सरकार स्कूलों तथा कालेजों के छात्रों को पर्यटन से जोड़कर विकसित कर रही है विरासत के प्रति जागरूकता एवं सामुदायिक भावना

उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। काशी, मथुरा, प्रयागराज, अयोध्या, कुशीनगर, संकिसा जैसे विश्व विख्यात आस्था के स्थल प्रदेश में मौजूद हैं प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक उत्तर प्रदेश आते हैं। वर्ष 2025 में 01 अरब 58 करोड़ पर्यटक भ्रमण पर आये। विविध सांस्कृतिक गतिविधियों, ऐतिहासिक स्थलों धार्मिक एवं आध्यात्मिक केन्द्रों सहित जंगलों एवं नदियों के प्राकृतिक स्थलों से परिपूर्ण उत्तर प्रदेश पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है। पर्यटकों के आगमन के दृष्टिगत ''विजिट माई स्टेट अभियान'' के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ आयोजित कार्यक्रमों ने गांवों की संस्कृति, कृषि परंपराओं, लोक कला और ग्रामीण जीवनशैली को पर्यटन के नए आयाम से जोड़ने का कार्य किया गया है। मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण पर्यटन को रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण का मजबूत माध्यम बना रही है।'विजिट माई स्टेट' अभियान लोगों को अपने ही राज्य की विविधता और सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश में अब तक 234 ग्रामीण पर्यटन ग्राम विकसित किए जा चुके हैं। इनमें प्रयागराज का श्रृंगवेरपुर, मथुरा का जैत, बाराबंकी का कठुआ धाम, सीतापुर का ठाकुर नगर और पीलीभीत का सेहला प्रमुख हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में उत्तर प्रदेश सरकार लोगों को विदेशों के बजाय अपने राज्य के पर्यटन स्थलों को देखने, समझने और अनुभव करने के लिए प्रेरित कर रही है।

विश्व कृषि पर्यटन दिवस पर प्रयागराज, मैनपुरी, फिरोजाबाद, लखनऊ, कन्नौज, महोबा, चित्रकूट, बस्ती, शामली, मथुरा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर और इटावा सहित कई जिलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) के तहत स्थानीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इनमें हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, कृषि आधारित वस्तुएं और पारंपरिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। इससे स्थानीय कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिला। लखनऊ में हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी ने लोगों का ध्यान खींचा। चित्रकूट में बुंदेली लोकनृत्य और लोकनाट्य प्रस्तुतियों ने ग्रामीण संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर स्थित 'सत्यम शिवम सुंदरम एग्री-टूरिज्म प्रॉपर्टी' में ध्यान सत्र, चूड़ी निर्माण, हस्तशिल्प प्रदर्शन और ग्रामीण जीवनशैली आधारित गतिविधियां आयोजित की गई। कन्नौज की एस. विराज एग्री टूरिज्म प्रॉपर्टी में हितधारक परामर्श सत्र आयोजित हुआ, जिसमें किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में कृषि पर्यटन की भूमिका पर चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और उत्तर प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड ने संयुक्त रूप से लखनऊ के राष्ट्रीय उद्योग आश्रम इंटर कॉलेज, देवा रोड (मटियारी) के विद्यार्थियों को बाराबंकी के रजौली स्थित 'मधुमक्खी वाला' केंद्र का भ्रमण कराया। यहां बच्चों ने मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने शहद की शुद्धता पहचानने और मधुमक्खियों के जीवन चक्र के बारे में विस्तार से बताया। नॉर्वे की राजधानी ओसलो से आए विद्यार्थियों के एक दल ने मथुरा स्थित नंदगांव फार्म स्टे का भ्रमण भी किया।

इन आयोजनों का उद्देश्य छात्रों एवं युवाओं को ग्रामीण भारत की जनजीवन की जानकारी के साथ प्रकृति के साथ सहअस्तित्व की भावना को विकसित करना है। इसके अलावा स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद तथा ग्रामीण रहन-सहन से परिचित कराना है। यह सर्वविदित है कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। जिसने भारत के गांव नही देखा वह सांस्कृतिक विरासत, लोक जीवन एवं लोक परंपराओं को विधिवत जान नहीं सकेगा। पर्यटन विभाग भ्रमण के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को भी जीवंत बनाने का कार्य कर रहा है।

इसके अलावा मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में युवा पर्यटन क्लबों का गठन किया गया है। जिसका उद्देश्य युवाओं को पर्यटन राजदूतों के रूप में विकसित करना है। प्राकृतिक, सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवा पर्यटन क्लबों में विभिन्न स्कूलों और कालेजों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शामिल किया गया है। अब तक 75 जनपदों में 1500 से अधिक युवा पर्यटन क्लब गठित किये जा चुके हैं। जिनमें 30,000 से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ा गया है।

युवा पर्यटन क्लबों द्वारा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों में पर्यटन के प्रति रूचि जागृति करना और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता, नेचर वॉक, रील मेकिंग सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। इस प्रकार समग्र रूप से देखा जाए तो पर्यटन में विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के साथ ही युवाओं को विरासत के प्रति जागरूकता उत्पन्न करके स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन भी सृजित किये जा रहे हैं।

योगी कैबिनेट ने यूपी-एआईएम को दी मंजूरी, 100 से अधिक एआई स्टार्टअप को सहायता और सभी 75 जिलों में बनेंगे डिस्ट्रिक्ट एआई केंद्र

यूपी में बनेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन, 5 लाख युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

बैठक

तमसा संकेत संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश एआई मिशन (यूपी-एआईएम) की स्थापना, क्रियान्वयन और संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मिशन के तहत शासन और नागरिक सेवाओं में एआई के सुरक्षित, प्रभावी और उत्तरदायी इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के



अनुसार, मिशन के माध्यम से प्रदेश में एआई आधारित नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास, स्टार्टअप और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधाओं और एआई आधारित डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। मिशन के अंतर्गत एकीकृत यूपी एआई स्टैक विकसित किया जाएगा। इसमें एआई रेडी डेटा इकोसिस्टम, एआई ऑपरेटिंग फ्रेमवर्क, विभागीय एआई एप्लीकेशन, सुरक्षित डेटा एक्सचेंज प्लेटफॉर्म और जीपीयू आधारित एआई कंप्यूट की सुविधा शामिल होगी। भविष्य में यह ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म सभी सरकारी विभागों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। विभागों से जुड़े एआई स्टार्टअप और तकनीकी साझेदारों को ओपन-वेट मॉडल, छोटे एवं बड़े भाषा मॉडल (एसएलएम और एलएलएम) तथा डेवलपमेंट और टेस्टिंग सैंडबॉक्स जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है।

सात प्रमुख आयामों पर काम करेगा मिशन

यूपी-एआईएम को सात प्रमुख आयामों के माध्यम से लागू किया जाएगा। इनमें यूपी एआई स्टैक एवं डेटा एक्सचेंज, एआई टैलेंट एवं फ्यूचर स्किल्स, एआई रिसर्च एवं सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस, एआई स्टार्टअप्स एवं एमएसएमई, एआई कंप्यूट एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, एआई ट्रस्ट एवं एश्योरेंस और डिस्ट्रिक्ट एआई एनेबलमेंट शामिल हैं।

इन आयामों के जरिए डेटा प्रबंधन, एआई आधारित सेवाओं, शोध, कौशल विकास और तकनीकी उद्यमों के लिए एकीकृत व्यवस्था तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रदेश में एआई से जुड़ी गतिविधियों को एक साझा ढांचे के तहत आगे बढ़ाना है।

पांच लाख युवाओं का कौशल विकास होगा

यूपी-एआईएम के तहत पांच लाख युवाओं को एआई से जुड़ा कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा कम से कम 100 एआई स्टार्टअप को वित्तीय और गैर-वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मिशन के माध्यम से 50 हजार फॉरवर्ड डिप्लॉयड एआई प्रोफेशनल्स तैयार करने की भी योजना है। सरकार का लक्ष्य एआई के उपयोग से जुड़ी 100 से अधिक परियोजनाओं और उपयोग-प्रकरणों को विकसित करना है। इनमें से 25 से 30 उपयोग-प्रकरणों को बड़े स्तर पर लागू किया जाएगा, ताकि तकनीक का लाभ विभिन्न विभागों और सेवाओं तक पहुंच सके।

सभी 75 जिलों में बनेंगे डिस्ट्रिक्ट एआई केंद्र

मिशन के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में डिस्ट्रिक्ट एआई केंद्र विकसित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए एआई आधारित नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। यहां प्रशिक्षण, रोजगार, स्टार्टअप और उद्यमिता से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस, शोध परियोजनाओं, इनोवेशन चैलेंज और हैकथॉन के जरिए युवाओं, शोधकर्ताओं और तकनीकी संस्थानों को नए समाधान विकसित करने के अवसर मिलेंगे। इससे जिला स्तर पर तकनीकी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप समाधान तैयार करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

यूपी एआई स्टैक के विकास और संचालन के लिए मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर (एमएस-आई) का चयन किया जाएगा। यह एजेंसी एआई स्टैक और समाधानों के डिजाइन, विकास, एकीकरण, तैनाती, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगी। कामकाज की समीक्षा सेवा-स्तर समझौते (एसएलए) और तय किए गए माइलस्टोन के आधार पर की जाएगी।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारी तेज

ईवीएम-वीवीपीएटी की जांच का डीएम ने लिया जायजा

तमसा संकेत संवाददाता



अंबेडकरनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट स्थित वीवीपैट वेयरहाउस में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) और वीवीपैट (VVPAT) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जांच कार्य की प्रगति और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, तकनीकी मानकों और निर्धारित प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाए। पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के साथ आवश्यक अभिलेखों का विधिवत संधारण भी सुनिश्चित किया जाए। प्रथम स्तरीय जांच के दौरान मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार जांच प्रक्रिया का अवलोकन करने का अवसर दिया जा रहा है। प्रशासन की ओर से निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जांच पूरी कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

कानपुर में कन्वेंशन सेंटर का टेंडर रद्द

कानपुर। कानपुर नगर निगम की कार्यकारिणी की बैठक में शुक्रवार को कन्वेंशन सेंटर के एमओयू को लेकर महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के बीच फिर मतभेद हो गए। महापौर ने कहा कि कार्यकारिणी और सदन को जानकारी दिए बिना फैसले लेना गलत है। महापौर ने कन्वेंशन सेंटर का एमओयू रद्द करने की घोषणा की। इस पर नगर आयुक्त ने आपत्ति जताई।

मेरठ में छेड़छाड़ के विरोध पर युवकों पर फायरिंग

मेरठ। मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र में फायरिंग की घटना के बाद मुख्य आरोपी बताए जा रहे उजेर का पिस्टल से हवाई फायरिंग करते हुए एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में युवक मकान की छत पर खड़े होकर फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। यह मामला आमिर गार्डन कॉलोनी में एक युवती से छेड़छाड़ को लेकर हुए विवाद से जुड़ा है। आरोप है कि उजेर ने युवती से छेड़छाड़ की थी, जिसका रहमान और शहबाज ने विरोध किया था।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में तनातनी चल रही थी। बृहस्पतिवार रात रहमान और शहबाज घर के बाहर बैठे थे।

महराजगंज में दो बाइकों की टक्कर

महराजगंज। महराजगंज में जिला उद्योग चौराहे के पास दो बाइकों की टक्कर हो गई। इस हादसे में पतरेंगवा निवासी राकेश पुत्र घिसियमन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह भिड़ंत इतनी तेज थी कि राकेश को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पहले चरण में अक्टूबर-दिसंबर 2026 तक और दूसरे चरण में जनवरी-मार्च 2027 तक निःशुल्क रिफिल

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेंगे दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल

तमसा संकेत संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार की इस व्यवस्था के तहत पात्र लाभार्थियों को चालू वित्तीय वर्ष में दो चरणों में मुफ्त सिलेंडर रिफिल का लाभ मिलेगा। पहले चरण में अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक और दूसरे चरण में जनवरी से मार्च 2027 तक सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार के अनुसार, इस योजना पर राज्य सरकार के खजाने से कुल 2,142.78 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

दो चरणों में मिलेगा मुफ्त सिलेंडर रिफिल

योगी सरकार पिछले वित्तीय वर्षों में भी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को होली और दीपावली के अवसर पर दो चरणों में निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराती रही है। इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी दो मुफ्त रिफिल देने का निर्णय लिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक चलेगा। इसके बाद दूसरे चरण में जनवरी से मार्च 2027 तक लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराया जाएगा। इस तरह दोनों चरणों को चालू वित्तीय वर्ष के भीतर पूरा करने की योजना है।

राज्य सरकार पर 2,142.78 करोड़ रुपये का व्यय भार

वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार का अनुमानित व्यय 2,142.78 करोड़ रुपये होगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद योजना के तहत निर्धारित अवधि में लाभार्थियों को सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार के इस फैसले से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पात्र परिवारों को साल में दो बार रसोई गैस रिफिल पर होने वाले खर्च से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, सुविधा का लाभ उन्हीं लाभार्थियों को मिलेगा, जो निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करते हैं।

आधार से लिंक बैंक खाते वाले लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

सरकार ने योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्रता संबंधी शर्तें भी निर्धारित की हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के ऐसे एसीटीसी लाभार्थी इस सुविधा के पात्र होंगे, जिनके बैंक खाते आधार से लिंक होंगे और आधार का प्रमाणीकरण पूरा होगा। इसलिए लाभार्थियों के लिए जरूरी है कि वे अपने बैंक खाते और आधार से जुड़ी जानकारी की स्थिति जांच लें। निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले लाभार्थियों को ही मुफ्त एलपीजी रिफिल की सुविधा दी जाएगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने का उद्देश्य परिवारों को स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करना है।

किसान का बेटा बना इनकम टैक्स अधिकारी

लोकेश ने बढ़ाया गांव धीमरी का मान

- पिता वीरेंद्र के सपनों को किया साकार, सफलता पर परिवार में खुशी; ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने दी बधाई।

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर गांव धीमरी के किसान वीरेंद्र के बेटे लोकेश ने इनकम टैक्स अधिकारी बनकर परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं गांव के लोगों और शुभचिंतकों में भी उत्साह है। लोकेश की सफलता ने साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। किसान परिवार से आने वाले लोकेश की इस उपलब्धि को उनके परिवार के संघर्ष और बेटे के उज्ज्वल भविष्य के लिए देखे गए सपनों की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। खेती-किसानी के जरिए परिवार का पालन-पोषण करने वाले वीरेंद्र ने बेटे की तरक्की का सपना देखा और उसकी राह में सहयोग दिया। लोकेश की उपलब्धि से परिवार को गर्व महसूस हो रहा है। उनकी सफलता गांव के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकती है कि वे मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। लोकेश के इनकम टैक्स अधिकारी बनने की खबर से गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों को उम्मीद है कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति प्रोत्साहित करेगी।

तीन दिन में 535 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवाएं भी बांटीं

श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का समापन, मौके पर हुआ पंजीयन व नवीनीकरण

तमसा संकेत संवाददाता

अम्बेडकरनगर,। श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से अकबरपुर के शहजादपुर स्थित लेबर अड्डे पर आयोजित तीन दिवसीय श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का समापन हो गया। छह से आठ अक्टूबर तक चले शिविर में कुल 535 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय परामर्श के बाद जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। अंतिम दिन 158 श्रमिकों की जांच की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर आयोजित शिविर में श्रमिकों के अलावा राहगीरों और उद्यमियों को भी स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिली। स्वास्थ्य विभाग और बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट अकबरपुर के चिकित्सकीय दल ने शिविर में सेवाएं दीं। इसमें डॉ. दूधनाथ वर्मा, डॉ. शिवांगी सिंह, फार्मासिस्ट अम्बेश कुमार, एलटी विकास वर्मा और इंटर्न फार्मासिस्ट आदित्य यादव शामिल रहे। आयुष्मान मित्र मुकेश कुमार भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ श्रम विभाग ने श्रमिकों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।



भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) में पंजीयन और नवीनीकरण, ई-श्रम से संबंधित पेंशन योजनाओं तथा अन्य विभागीय सुविधाओं के बारे में बताया गया। पात्र श्रमिकों का मौके पर ही पंजीयन एवं नवीनीकरण कराया गया। श्रमिकों को रोजगार के अवसरों और विभागीय योजनाओं से डिजिटल माध्यम से जोड़ने के लिए उनके मोबाइल फोन में 'उ.प्र. डिजिटल लेबर चौक' ऐप भी इंस्टॉल कराया गया। विभागीय कर्मियों ने श्रमिकों को ऐप के उपयोग और उससे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। समापन अवसर पर सहायक श्रमायुक्त सन्त पाल ने कहा कि श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए विभाग की ओर से ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किलो और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलो खाद्यान्न

अंबेडकरनगर में 10 से 25 अक्टूबर तक मिलेगा मुफ्त राशन

- ई-पॉस मशीन से होगा वितरण, अनियमितता रोकने के लिए अधिकारियों की निगरानी में चलेगा अभियान।

तमसा संकेत संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अक्टूबर माह के लिए आवंटित सरकारी खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2026 तक कराया जाएगा। जिला पूर्ति विभाग ने वितरण की तैयारियां पूरी करने के साथ ही उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से पात्र राशनकार्ड धारकों तक खाद्यान्न पहुंचाने की व्यवस्था की है। निर्धारित अवधि के दौरान लाभार्थियों को उनकी राशनकार्ड श्रेणी के अनुसार गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि खाद्यान्न वितरण ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से किया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत राशनकार्ड धारकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग ने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे तय समय के भीतर अपनी उचित दर की दुकान पर पहुंचकर राशन प्राप्त कर लें। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अंत्योदय राशनकार्ड धारकों को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाएगा। इसमें 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल शामिल हैं।

अंत्योदय कार्ड पर मिलेगा 35 किलो राशन

निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, अंत्योदय राशनकार्ड धारकों को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाएगा। इसमें 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल शामिल हैं। वहीं, पात्र गृहस्थी राशनकार्ड धारकों को प्रति यूनिट पांच किलो खाद्यान्न मिलेगा। इसमें दो किलो गेहूं और तीन किलो चावल दिया जाएगा। दोनों श्रेणियों के लाभार्थियों को राशन निःशुल्क मिलेगा।

कम राशन देने पर होगी कार्रवाई

जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राशन वितरण में अनियमितता, लापरवाही या निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न देने की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग की ओर से योजना का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। विभाग ने सभी राशनकार्ड धारकों से अपील की है कि वे 10 से 25 अक्टूबर के बीच अपनी उचित दर की दुकान से निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त कर लें। राशन की मात्रा में गड़बड़ी होने या निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षणीय, नोडल और जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर वितरण की निगरानी करेंगे।

फैमिली आईडी बनाने में तेजी लाएं, अवशेष परिवारों का कार्य शीघ्र पूरा करें: ईशा प्रिया

पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता

तमसा संकेत संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में फैमिली आईडी बनाने की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने तथा शासन की मंशा के अनुरूप शेष परिवारों की फैमिली आईडी शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाने के कार्य में विशेष तेजी लाने को कहा।

वहीं, सभी खंड विकास अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में शेष परिवारों की फैमिली आईडी तैयार कराने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि फैमिली आईडी का



उद्देश्य पात्र परिवारों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने में सहूलियत प्रदान करना है।

इसलिए संबंधित अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजनौर में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

14 वर्षीय किशोरी से दुराचार के मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लल्लन बसोर (करीब 40 वर्ष) पुत्र रामप्यारे बसोर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले का निवासी है और वर्तमान में लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में कल्प सिटी के पास झुग्गी बस्ती में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 5 अक्टूबर 2026 को थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपी पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुराचार करने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर थाना बिजनौर में मुकदमा संख्या 274/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के



तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से तलाश की। इसके बाद शुक्रवार, 9 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी की कार्रवाई थाना प्रभारी बिजनौर कपिल गौतम के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की।

लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन में एक प्रत्याशी ने वापस लिया नाम

नाम वापसी के अंतिम दिन निर्दलीय प्रत्याशी हर्षित सिंह ने वापस लिया नाम

तमसा संकेत संवाददाता



लखनऊ। विधान परिषद के लखनऊ खंड स्नातक एवं लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए नाम वापसी की प्रक्रिया के अंतिम दिन एक प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया। मंडलायुक्त एवं रिटर्निंग ऑफिसर विजय विश्वास पंत के अनुसार, सोमवार को अपराह्न तीन बजे तक चली प्रक्रिया के दौरान लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन से एक प्रत्याशी ने नाम वापस लिया। रिटर्निंग ऑफिसर के मुताबिक, नाम वापस लेने वाले प्रत्याशी हर्षित सिंह हैं। वह लखनऊ के मानस नगर के निवासी हैं और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में थे। उनके नाम वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसकी जानकारी जारी की गई। नाम वापसी की प्रक्रिया मंडलायुक्त कार्यालय स्थित कक्ष संख्या-01, न्यायालय आयुक्त, लखनऊ मंडल में संपन्न हुई। निर्वाचन से संबंधित आगे की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी की जाएगी।

5 नवंबर को वोटिंग, 19 दिन से छात्र धरना दे रहे थे, 8 साल बाद होगा छात्र संघ बहाल

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव का ऐलान

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) में छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा के बाद 19 दिनों से चल रहा छात्रों का धरना समाप्त हो गया। विश्वविद्यालय में 5 नवंबर को छात्रसंघ के विभिन्न पदों के लिए मतदान होगा और उसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। वर्ष 2018 के बाद पहली बार विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव होने जा रहे हैं। शुक्रवार को कुलपति प्रो. नईमा खातून धरनास्थल पर पहुंचीं और छात्रों की मांगों पर सहमति जताई। इसके बाद आंदोलनकारी छात्रों ने धरना खत्म करने का ऐलान किया। छात्र 21 अक्टूबर से छात्रसंघ बहाली, चुनाव कराने, निलंबित छात्र यासिर फहद की बहाली, खुद धरनास्थल पर पहुंचीं और छात्र प्रॉक्टर को हटाने और आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। आंदोलन के दौरान यासिर फहद भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर छात्रों में नाराजगी बढ़ रही थी। शुक्रवार को कुलपति प्रो. नईमा खातून धरनास्थल पर पहुंचीं और छात्रों की मांगों पर सहमति बनी। कुलपति ने प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नावेद खान को हटाने और नफीस अहमद को प्रॉक्टोरियल बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे यासिर फहद को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया।



दिन-ब-दिन छात्रों का हुजूम बढ़ता जा रहा था...

जानकारों की मानें तो 19 दिनों तक चले आंदोलन का दायरा धीरे-धीरे बढ़ता गया। डक पॉइंट पर धरने के साथ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में भी छात्रों का समर्थन बढ़ रहा था। छात्राओं ने भी आंदोलन का समर्थन कर दिया था और जुड़ने लगी थीं। अब्दुल्ला कॉलेज में छात्राओं की भागीदारी से आंदोलन को और विस्तार मिला।

5 नवंबर को मतदान, शाम सात बजे से मतगणना

AMU के चुनाव अधिकारी प्रो. जावेद तालिब ने छात्रसंघ चुनाव 2026-27 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, 5 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। इसी दिन शाम सात बजे से मतगणना शुरू होगी, जो चुनाव परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय में चुनाव की घोषणा के बाद छात्र-छात्राओं में उत्साह है। धरनास्थल डक पॉइंट पर आंदोलन समाप्त होने की खुशी में जश्न मनाया गया। पूर्व छात्र और गायक हैदर सेफ भी छात्रों के बीच पहुंचे। उनके क्रांतिकारी गीतों पर छात्र-छात्राएं झूमते नजर आए। धरनास्थल पर आतिशबाजी भी की गई और छात्रों ने आंदोलन की जीत का जश्न मनाया।



2018 में आखिरी बार हुए थे चुनाव

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आखिरी बार वर्ष 2018 में छात्रसंघ चुनाव हुए थे। इसके बाद से छात्र संगठन लगातार चुनाव बहाल करने की मांग कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भी छात्रसंघ चुनाव लंबे समय से बंद हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय समेत कुछ संस्थानों में 2016 से 2018 के बीच चुनाव कराए गए थे।

गोवर्धन में कल निकलेगी भव्य राम बारात, झांकियों से सजेगा नगर

रामलीला महोत्सव और अग्रसेन शोभायात्रा को लेकर प्रशासन की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। कस्बे में रामलीला महोत्सव और अग्रसेन शोभायात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पीडब्ल्यूडी कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन मार्ग पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह के निर्देश पर आयोजित बैठक में रामबारात और शोभायात्रा को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में तहसीलदार सुशील कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार जयंती मिश्रा, थाना प्रभारी विनय मिश्रा, गोवर्धन चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लम्बरदार और राधाकुंड चेयरमैन रामफल मुंशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लम्बरदार ने बताया कि अग्रसेन महाराज का चार दिवसीय उत्सव शुरू हो चुका है। शुक्रवार को कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी, जबकि शनिवार, 10 अक्टूबर को भव्य राम बारात निकलेगी। राम बारात में आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि गोवर्धन की रामलीला का मंचन परंपरागत रूप से स्थानीय कलाकार करते आ रहे हैं। बैठक में बिजली विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों को आयोजन मार्ग पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। बारात मार्ग पर पेयजल और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने, लटकते बिजली के तारों को ऊंचा कराने तथा पेड़ों की छंटाई कराने पर जोर दिया गया, जिससे राम बारात और शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को परेशानी न हो। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि धार्मिक आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

फास्ट न्यूज

महिला न्यायिक अधिकारी को भेजे आपत्तिजनक ई-मेल

अलीगढ़। सिविल लाइंस क्षेत्र में महिला न्यायिक अधिकारी को कई महीनों से आपत्तिजनक ई-मेल भेजकर परेशान करने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपी पर अशोभनीय ई-मेल भेजने, अधिकारी और उनके परिवार की निजी जानकारी का जिक्र करने और सोशल मीडिया अकाउंट में लॉगिन की कोशिश करने का आरोप है।

मुरादाबाद में फर्जी महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार

मुरादाबाद। मुरादाबाद में 9वीं वाहिनी पीएसी में चल रही सिपाही भर्ती परीक्षा में एक फर्जी महिला अभ्यर्थी पकड़ी गई है। यह महिला अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद फर्जी एडमिट कार्ड बनाकर पुलिस भर्ती का फिजिकल टेस्ट देने के लिए पहुंची थी।

लेकिन उसके एडमिट कार्ड पर 10 अंकों की जगह 9 अंकों का अनुक्रमांक देख अधिकारियों को शक हुआ। पुलिस पूछताछ में युवती ने पूरा सच उगल दिया। शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) में शामिल होने पहुंची इस फर्जी महिला अभ्यर्थी को चेकिंग स्टाफ ने रंगे हाथों पकड़ लिया।

जनकपुरी में राम-सीता को चांदी की थाल में परोसे व्यंजन

आगरा। आगरा में जनकपुरी महोत्सव के दूसरे दिन भावना एस्टेट रोड पर दिन में प्रभु श्रीराम के सम्मान में बढ़हार की दावत सजी, तो शाम को रथ पर सवार राम-सीता और चारों भाइयों के स्वरूपों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। राजा जनक अशोक कुमार गोयल और रानी सुनैना लता गोयल की ओर से आयोजित पारंपरिक ज्यौनार में चांदी की थाल में विभिन्न व्यंजन परोसे गए।

हाईकोर्ट के सख्त आदेश का असरः मथुरा का दो साल से सोया प्रशासन जागा

15 अक्टूबर तक समाधान का निर्देश, आदेश के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। हाईकोर्ट के आदेश का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। बरौली-कचनाऊ मार्ग पर पिछले दो साल से जलभराव की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों की जनहित याचिका (पीआईएल) पर न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। तहसील महावन और ब्लॉक बलदेव के अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पोखर व नाली की खुदाई का काम शुरू कराया। लंबे समय से समाधान की राह देख रहे ग्रामीणों को अब राहत की उम्मीद जगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि दो साल तक शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। इस दौरान लेखपाल लगातार अतिक्रमण नहीं होने की आख्या लगाता रहा, जबकि मौके पर जलनिकासी की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से भी गुहार लगाई, लेकिन राहत नहीं मिलने पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जनहित याचिका पर न्यायालय के आदेश के बाद मौके पर खुदाई का कार्य शुरू हुआ है।



HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD
PUBLIC INTEREST LITIGATION (PIL) No. - 2246 of 2026

Shreepal Singh ....Petitioner(s)
Versus
State Of U.P. And 5 Others ....Respondent(s)

Counsel for Petitioner(s) : Prashant Shukla, Ram Prakash Upadhyay
Counsel for Respondent(s) : Avinash Chandra Srivastava, C.S.C.

Court No. - 51

HON'BLE ARUN KUMAR, J.

1. On 21.09.2026, following order was passed:

"Learned Standing Counsel and learned counsel appearing for the respondent no.6 pray for and are granted two weeks' time to seek instructions in the matter specifically stating as to why the revenue authorities are not cooperating with the Block Development Officer, Baldev, District Mathura for construction of public drain to avoid water logging on the PWD road from Basauli to Kachaura.

List as fresh on 7.10.2026."

2. Today, when the case was taken up, learned Additional Chief Standing Counsel has placed before the Court a letter of Tahsildar, Mahavan, Mathura, dated 07.10.2026, which states that as he was busy in celebration of Janmashtami and Radha Ashtami festival, therefore, the instruction required could not be sent and he prays for seven days further time to comply with the order dated 21.09.2026.

3. In view of the above, list this case on 15.10.2026 as fresh, by that time, learned Additional Chief Standing Counsel may obtain necessary instruction in the matter.

4. It is made clear that if the required instruction is not sent by the next date fixed, the District Magistrate, Mathura shall remain present before the Court alongwith relevant records.

October 7, 2026
Ashok Kr.

(Arun Kumar,J.)

15 अक्टूबर तक समाधान का निर्देश, डीएम की पेशी का भी दबाव

न्यायालय ने 15 अक्टूबर तक समस्या का समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। निर्धारित समयसीमा में समाधान नहीं होने की स्थिति में जिलाधिकारी मथुरा को न्यायालय में उपस्थित होना पड़ सकता है। ऐसे में प्रशासन के सामने समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत दिलाने की चुनौती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी पोखर पर कथित अवैध कब्जे के कारण पानी की निकासी प्रभावित हुई और बरौली-कचनाऊ मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, अतिक्रमण और सड़क की क्षति के बीच संबंध की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पुलिस ने अभद्रता की, डीसीपी की मुहर वाले पास के बाद भी रोका, पार्किंग में भी अवैध वसूली

आगरा के जनकपुरी महोत्सव में कमेटी महामंत्री की गाड़ी रोकी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के जनकपुरी महोत्सव में एक के बाद एक विवाद सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को रामलीला कमेटी के महामंत्री राजीव अग्रवाल ने DCP की मुहर वाला वाहन पास होने के बावजूद उनकी गाड़ी रोके जाने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस पर अभद्रता करने और आम लोगों को परेशान करने का भी आरोप लगाया है।

इससे पहले महोत्सव की पार्किंग में अवैध वसूली को लेकर भी विवाद सामने आ चुका है। सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर फ्री पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद प्रति वाहन 150 रुपए वसूलने का आरोप लगाया गया था। वीडियो बनाने वाले ने अवैध वसूली करने वाले पर कमेटी के स्वागत अध्यक्ष अरविंद शर्मा का

"मामले पर जनकपुरी स्वागत अध्यक्ष अरविंद शर्मा का कहना है, कि मेरा वीडियो में बोल रहे इस व्यक्ति से कोई वास्ता नहीं है। ऐसे तो कोई भी मेरा नाम ले सकता है तो इससे यह साबित नहीं होता कि यह शुल्क मेरे द्वारा लागाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले पर इस महोत्सव तक कुछ भी वहीं कहूंगा।



संरक्षण होना भी बताया था।

रामलीला कमेटी के महामंत्री ने कहा कि उनके बाबा ने ही आगरा में रामलीला की शुरुआत की थी। इसके बावजूद आज उन्हें वाहन पास होने पर भी जनकपुरी महोत्सव स्थल के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उनकी गाड़ी पर डीसीपी की मोहर लगा पास था, फिर भी पुलिस ने उन्हें रोक दिया। महामंत्री के मुताबिक, जिस मार्ग पर उनकी गाड़ी रोकी गई, वहां वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध बताया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद लगातार वाहन वहां बिना पास के निकल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके सामने ही प्रतिबंधित मार्ग से करीब 20 ट्रक निकल गए, लेकिन पास होने के बावजूद उनकी गाड़ी को अंदर नहीं जाने दिया गया। महामंत्री ने पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए अभद्रता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पुलिस की व्यवस्था बहुत खराब है और जनता को परेशान किया जा रहा है।

पार्किंग में 150 रुपए की पर्ची का वीडियो वायरल

दूसरी ओर, जनकपुरी महोत्सव की पार्किंग से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति 150 रुपए की पार्किंग पर्ची काटे जाने का दावा करता दिखाई दे रहा है। वह पर्ची की तस्वीर भी कैमरे पर दिखाता है। वीडियो में पार्किंग पर्ची काटने वाला व्यक्ति कथित तौर पर कमेटी के स्वागत अध्यक्ष अरविंद शर्मा के कहने पर पर्ची काटने की बात कहता नजर आ रहा है। वीडियो में पैसे देने वाला व्यक्ति भी पार्किंग में पर्ची काटे जाने की बात कहता दिखाई देता है।

'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' थीम पर होगा युवा उत्सव

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 के कल्चरल ट्रैक (युवा उत्सव) के जनपद स्तरीय आयोजन को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें डीएम ने कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने और अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आयोजन को भव्यता से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी विवेक चन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि युवा उत्सव में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' थीम पर लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग और कविता लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं के लिए पात्र युवाओं का माय भारत (MY Bharat) पोर्टल पर पंजीकरण कराते हुए उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतियोगिताओं में आयु की गणना 17 अगस्त 2026 के आधार पर की जाएगी। इसके अनुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा पात्र होंगे। आयोजन में न्यूनतम 30 प्रतिशत युवतियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों, महाविद्यालयों, विकास खंडों और युवा मंगल दलों के माध्यम से प्रतियोगिताओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।



संगोष्ठी में 50 शोध-पत्र प्रस्तुत, लवी सिंह ने ओरल प्रेजेंटेशन में हासिल किया प्रथम स्थान

शिक्षा में शोध और नवाचार से गुणवत्ता सुधारने पर जोर

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

फरीदपुर, बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), फरीदपुर में शिक्षा में शोध और नवाचार के महत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। "इंपॉर्टेंस ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन एजुकेशनः टुवर्ड्स क्वालिटी एजुकेशन (IRIETQE–2026)" विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में शिक्षकों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकी नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम में कुल 50 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।



शोध और नवाचार से शिक्षा को मिलेगी नई दिशा

कार्यक्रम में बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय और उपप्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा मौजूद रहीं। प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय ने कहा कि शोध और नवाचार शिक्षण संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई दिशा देते हैं। ऐसे आयोजन शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने के साथ नए शोध की संभावनाओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के अकादमिक आयोजनों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।





विशेषज्ञों ने शोध आधारित शिक्षण पर रखे विचार

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत से हुई। स्वागत भाषण प्रो. जसपाल सिंह ने दिया। उन्होंने संगोष्ठी के उद्देश्यों और शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. सोमेश मेहरा, वैज्ञानिक-सी, राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी ने शिक्षा में शोध और नवाचार की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि बदलते समय और तकनीकी परिवेश के अनुरूप पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों में आवश्यक बदलाव करना जरूरी है। शोध एवं नवाचार विद्यार्थियों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद करते हैं।

उपप्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मकता, जिज्ञासा और आलोचनात्मक सोच विकसित करना जरूरी है। शोध एवं नवाचार आधारित शिक्षण विद्यार्थियों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पीएम के नाम से ...

ससे पहले 24 फरवरी, 2021 को गुजरात के अहमदाबाद में क्रिकेट स्टेडियम का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम किया गया था। पीएम मोदी ने 28 मार्च 2026 को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया था। एयरपोर्ट के पहले फेज में 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यहां से हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्री सफर करेंगे। इस पर 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। शुक्रवार सुबह 11 बजे सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें अग्निवीर योजना को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। कुल 39 प्रस्ताव पास हुए। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया- अग्निवीरों को पुलिस, परिवहन, कारागार और वन विभाग में 20% आरक्षण मिलेगा। उम्र में 3 साल की छूट मिलेगी। लिखित और फिजिकल टेस्ट के बिना सीधे जॉइनिंग लेटर मिलेगा। सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण और रोजगार क्षेत्र (एसवीपीएसटीपीजेड) विकास योजना को मंजूरी दी गई। इसके जरिए यूपी को 'अल्टीमेट सोर्सिंग हब ऑफ स्किल्ड मैनपावर' और 'ग्लोबल मैनपावर हब' के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 65 लाख टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है। पश्चिमी यूपी में खरीद 15 अक्टूबर से 15 फरवरी 2027 तक और पूर्वी यूपी में 1 नवंबर से 28 फरवरी तक होगी। पिछले साल 62 लाख टन धान खरीदा गया था। मक्का का खरीद मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 2,410 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। लखनऊ की वृंदावन विहार योजना में पीपीपी मॉडल पर इंटीग्रेटेड बस टर्मिनल बनाया जाएगा। इस परियोजना पर करीब 265 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वाणिज्यिक क्षेत्र 90 साल और बस टर्मिनल 30 साल की लीज पर दिया जाएगा। प्रदेश के सभी 75 जिलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केंद्र खोले जाएंगे। मिशन के संचालन के लिए तीन समितियां बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एपेक्स कमेटी होगी। इसके अलावा मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर पर भी समितियां गठित होंगी। प्रदेश की करीब 3.90 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को एक अतिरिक्त साड़ी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न का मासिक भत्ता 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दिया गया है। कैबिनेट ने राज्य कर विभाग की GST ब्याज माफी योजना को भी मंजूरी दी है। जिले का नाम बदलकर संत रविदास नगर भदोही करने के प्रस्ताव को मंजूरी।

नंदीग्राम में भाजपा ...

नंदीग्राम सबसे अशांत इलाका था, मुख्यमंत्री के कारण यहां लोकतंत्र फिर से बहाल हुआ है। इस बार चुनाव में कोई खून-खराबा नहीं हुआ; न तो बम फेंके गए और न ही गोलियां चलाई गईं।र तमिलनाडु की दोनों सीटें हारने के बाद DMK के एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु उपचुनाव लोकतंत्र की खुली हत्या थे। BJP ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले की रेजीनगर विधानसभा सीट 75,816 वोटों के अंतर से जीती। मुस्लिम-बहुलता वाली इस सीट में यह BJP की एक बड़ी कामयाबी है। BJP उम्मीदवार सरकार को 1,29,914 वोट मिले। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के उम्मीदवार गुलाम नबी आजाद को हराया, जिन्हें 54,098 वोट मिले। BJP को लगभग 63.14% वोट मिले, जबकि आजाद को 26.29% वोट मिले। रेजीनगर में लगभग 70% मुस्लिम मतदाता हैं और यहां पारंपरिक रूप से TMC, कांग्रेस और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला होता रहा है। कांग्रेस, ममता की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और अलग हुई डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस (DTMC) कोई मजबूत चुनौती नहीं दे पाए। कांग्रेस उम्मीदवार अब्दुल्लाहिल काफी को 6,168 वोट मिले, जो ममता की TMC उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी (जिन्हें 3,847 वोट मिले) से थोड़े ही आगे रहे। DTMC उम्मीदवार सफ़ीउज़्ज़मान शेख को 2,044 वोट मिले। CPI(M) को 3,797 वोट मिले। तमिलनाडु उपचुनाव की गिनती पूरी। TVK ने धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव जीता, सत्यभामा 9,471 वोटों से जीतीं। पुडुचेरी में, सत्ताधारी AINRC ने कुछ महीने पहले सत्ता संभालने के बाद अपनी लोकप्रियता की पहली परीक्षा में जीत हासिल की। उसके उम्मीदवार अशोक आनंद ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी ई. विनायगम को 8,000 से ज्यादा वोटों से हराकर थट्टनचावडी उपचुनाव जीता। DMK उम्मीदवार के सेतु तीसरे स्थान पर रहे। असम के नगांव में BJP के देवाशीष शर्मा 3.5 लाख से ज्यादा वोट हासिल कर चुके हैं। वह 82, 988 वोटों से आगे चल रहे हैं। AIUDF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल 2.7 लाख वोटों के साथ दूसरे, जबकि कांग्रेस के शिबामोनी बोरा 66,482 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नंदीग्राम में कुल 15 राउंड काउंटिंग होनी है, जिसमें अभी तक 13 राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। हसिरानी रथ 1,05,869 वोट की बढ़त के साथ कुल 1,43,656 वोट हासिल कर निर्णायक जीत की तरफ आगे बढ़ रही हैं। दूसरे स्थान पर कांग्रेस के मिलन प्रधान हैं, जिन्हें अब तक 37,787 वोट मिले हैं। लिहाजा, नंदीग्राम में BJP की जीत लगभग तय मानी जा रही है। नंदीग्राम में भाजपा की हसीरानी रथ की जीत तय है। उन्हें 1,43,656 वोट मिले हैं और 1,05,869 वोट की लीड है। दूसरे स्थान पर कांग्रेस के मिलन प्रधान हैं। उन्हें अब तक 37,787 वोट मिले हैं। असम के नगांव में BJP के देवाशीष शर्मा को 3.5 लाख से ज्यादा वोट मिल चुके हैं। वह 82, 988 वोटों से आगे चल रहे हैं। AIUDF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल 2.7 लाख वोटों के साथ दूसरे, जबकि कांग्रेस की शिवमणि बोरा 66,482 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नंदीग्राम की भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ को 1 लाख 43 हजार वोट मिल चुके हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को 37 हजार 787 वोट मिले हैं। हसीरानी फिलहाल 1 लाख 5 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त है। इस साल अप्रैल-मई में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ा था। यहां उन्हें 1 लाख 27 हजार 301 वोट मिले थे। उन्होंने TMC के पवित्र कर को 9 हजार वोटों से हराया था। नंदीग्राम की भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ को 1 लाख 32 हजार वोट मिल चुके हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को 34 हजार 530 वोट मिले हैं। हसीरानी को 97 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त है। इस साल अप्रैल-मई में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ा था। यहां उन्हें 1 लाख 27 हजार 301 वोट मिले थे। उन्होंने TMC के पवित्र कर को 9 हजार वोटों से हराया था। 4 राज्यों की 6 सीटों पर हुए उपचुनाव में 5,453 लोगों ने NOTA का इस्तेमाल किया। असम में 3976, रेजीनगर में 178, नंदीग्राम में 400, धारापुरम में 452, मदुरंतकम में 222 और पुडुचेरी की थट्टनचावडी में 225 NOTA वोट पड़े।

मक्खी मारने के...

वहीं, इंडिया गेट के आसपास 4 किमी के दायरे में आज रात 10 बजे से कल रात 10 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे ने दो दिन के लिए दिल्ली जाने वाली 13 ट्रेन रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर रेलवे स्टेशन में लोगों की भारी भीड़ है। सभी ट्रेन की इंतजार में बैठे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले हरियाणा में सख्ती बढ़ा दी गई है। पानीपत से दिल्ली तक रेलवे स्टेशनों के बाहर नाके लगाए गए हैं। टिकरी, बदरपुर, कापसहेड़ा और सिंघु बॉर्डर पर वाहनों की तलाशी के बाद ही आगे जाने दिया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली जा रहे पानीपत में कांग्रेस के पूर्व विधायक बलवीर वाल्मीकि को पुलिस ने रास्ते में डिटेन कर लिया। जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन और मेट्रो सर्विस बंद होने के चलते दिल्ली के कई स्कूल-कॉलेजों ने 10 अक्टूबर की क्लास ऑनलाइन कर दी हैं। PTM का समय बदला है।

पिछले एक साल में 32 क्रिकेटर चोटिल, मैनचेस्टर टेस्ट में पंत की हड्डी टूटी थी

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के रिहैब की जानकारी छिपाई

दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने IPL 2026 के बाद हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैब किया था, लेकिन BCCI ने इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की। यह दावा TOI ने CoE की सालाना रिपोर्ट के हवाले से किया है। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच टीम इंडिया के 32 क्रिकेटर्स ने CoE में रिहैब किया है। इनमें BCCI के 20 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले और 12 टार्गेटेड/इंडिया-A कैटेगरी



हार्दिक ने इसी साल मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी बार भारत के लिए खेला था।

खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को हुई चोटों में इकलौता गंभीर मामला (इम्पैक्ट इंजरी) ऋषभ पंत का था। जुलाई 2025 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान उनके पैर की हड्डी टूट (फ्रैक्चर) गई थी।

वे रिकवरी के लिए CoE (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस)

आईपीएल 2026 के बाद हर सीरीज में कम से कम दो खिलाड़ी चोटिल

IPL 2026 के बाद CoE में रिहैब कराने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ी है। इसके बाद से हर सीरीज में कम से कम दो खिलाड़ियों के चोटिल होने की बात कही गई है। CoE की स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन (SSM) टीम ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच महिला और पुरुष मिलाकर कुल 68 खिलाड़ियों की चोटों का इलाज और मैनेजमेंट किया।

पहुंचे थे। बाकी खिलाड़ियों को



हार्दिक, राणा और रेड्डी ने 18 महीने में 4-4 महीने सीओई में बिताए

हार्दिक पांड्या, हर्षित राणा और नीतिश कुमार रेड्डी ने पिछले 18 महीनों में कम से कम 4-4 महीने CoE में बिताए। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों खिलाड़ी बार-बार चोटिल होने के कारण रिहैब के लिए पहुंचे। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और प्रसिद्ध कृष्णा भी बार-बार चोट से जूझने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। 30 सितंबर तक भारतीय खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे के नाम भी शामिल थे। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि हर खिलाड़ी कितनी बार CoE पहुंचा।

ज्यादातर मांसपेशियों में खिंचाव या तनाव (सॉफ्ट-टिश्यू इंजरी) जैसी समस्याएं ही हुई थीं।

एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी से पाकिस्तान ने नाम वापस लिया

न्यूट्रल वेन्यू पर मैच कराने की मांग खारिज

नई दिल्ली। भारत में 27 अक्टूबर से होने वाली एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (PHF) ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव का हवाला देते हुए अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग की थी।

भारत ने टूर्नामेंट को दूसरे देश में कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। प्रतियोगिता 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेली जाएगी।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) से अपने मैच भारत से बाहर कराने का अनुरोध किया था। PHF का कहना था कि मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा और सम्मान प्राथमिकता है।

पाकिस्तान ने यह भी कहा था कि



उसकी टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (FIH) से जुड़ी किसी भी टीम, यहां तक कि भारत के खिलाफ भी खेलने को तैयार है, लेकिन मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होने चाहिए। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान की टीम का भारत दौरा उसकी सरकार से मंजूरी मिलने पर निर्भर था।

भारत ने पाकिस्तान की मांग स्वीकार नहीं की और टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के मुताबिक आयोजित करने का रुख अपनाया। इसके बाद पाकिस्तान ने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया। एशियन हॉकी फेडरेशन ने उसकी जगह बांग्लादेश को शामिल किया।

भारत से सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के 2 खिलाड़ी चोटिल

चैपमैन और फाउल्क्स की जगह टिकनर-क्लार्कसन को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के खिलाफ पांच मैचों की T20I सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को 2 खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। इनमें मार्क चैपमैन और जैक फाउल्क्स शामिल हैं। दोनों को सीरीज से बाहर कर दिया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) ने शुक्रवार को बताया कि चैपमैन की बाईं हैमस्ट्रिंग और फाउल्क्स के दाएं हिप फ्लेक्सर में चोट लगी है। ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया है। टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी।

मार्क चैपमैन को यूरोपियन T20 प्रीमियर लीग (ETPL) के पहले सीजन में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी। हालांकि, पांच मैचों की ODI सीरीज में उनकी वापसी



की उम्मीद है। जैक फाउल्क्स को कैंटरबरी के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान दाएं हिप फ्लेक्सर में चोट लगी। उनकी वापसी का समय अभी तय नहीं है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अभी यह नहीं बताया है कि फाउल्क्स कब तक वापसी करेंगे।

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने भारत के खिलाफ चुनौतीपूर्ण सीरीज से पहले जोश क्लार्कसन और ब्लेयर टिकनर की वापसी पर खुशी जताई। वाल्टर ने कहा, 'मार्क और जैक के लिए मुझे बहुत दुख है। मैं दोनों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।'उन्होंने कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि जोश और ब्लेयर के अनुभव का फायदा उठा सकते हैं। मुझे पता है कि दोनों उस सीरीज का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं, जो शानदार T20 सीरीज बनने वाली है।'भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की T20I सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए T20 वर्ल्ड कप के फाइनल के बाद फिर आमने-सामने होंगी। उस फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम आगामी दौरे में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना चाहेगी।

रोहित की टाइमिंग और धोनी की फिनिशिंग भी लेना चाहेंगे आज वेस्टइंडीज से दूसरा मैच

कोहली का सबकुछ चुराना चाहते हैं : अभिषेक



रांची,एजेंसी

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपने सीनियर विराट कोहली से उनका सबकुछ चुराना चाहते हैं। इतना ही नहीं, वे रोहित शर्मा से टाइमिंग और पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी से फिनिशिंग की स्किल



> अभिषेक ने कहा कि वे क्रिस गेल की तीनों फॉर्मेट में खेलने की मानसिकता अपनाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वे ड्वेन ब्रावो के सेलिब्रेशन से काफी प्रभावित होते हैं।

लेना चाहते हैं। दरअसल, अभिषेक से दूसरे टी-20 से पहले भारत और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ियों की स्किल चुराने पर सवाल पूछा गया। उनसे पूछा गया कि वे किस खिलाड़ी की कौन सी स्किल लेना चाहेंगे।

विराट कोहली का नाम आने पर अभिषेक ने हंसते हुए कहा, 'सबकुछ'। उन्होंने युवराज सिंह की मैच

विराट कोहली पर क्या बोले अभिषेक

विराट कोहली तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वे किसी भी परिस्थिति में ढलकर मैच का रुख बदल सकते हैं। उनके पास टाइमिंग, एक्यूरेसी, धैर्य और आक्रामकता जैसी कई खूबियां हैं। इन्हीं के दम पर उन्होंने 28 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह रहे हैं। उन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में धोनी ने 91 रन की पारी खेली थी। युवराज सिंह उस वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। अभिषेक ने रोहित शर्मा की गेंद को टाइम करने की स्किल लेने की इच्छा भी जताई।

जिताने की क्षमता, MS धोनी की मैच फिनिशिंग और रोहित शर्मा की टाइमिंग लेने की इच्छा जताई। कीरोन पोलार्ड का नाम आते ही अभिषेक ने 'पावर' कहा। T20 क्रिकेट में पोलार्ड के नाम 1 हजार से ज्यादा छक्के हैं।अभिषेक ने सुनील नरेन की शानदार इकोनॉमी रेट के साथ गेंदबाजी



दूसरे टी-20 मैच से पहले रांची में प्रैक्टिस करते अभिषेक शर्मा।

करने की स्किल लेने की बात कही। उन्होंने आंद्रे रसेल को कम्पलीट ऑलराउंडर बताया। अभिषेक ने रसेल की इसी स्किल को अपनाने की इच्छा जताई। वैभव सूर्यवंशी के 'सुपरस्टार' बनने पर कपिल देव का बड़ा बयान, कांबली से की तुलना

मनोरंजन

फिर 'बाहुबली' से बनीं पैन-इंडिया स्टार, तमन्ना भाटिया बोलीं- सबसे मुश्किल चीज थी टिके रहना

'पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर 'हीरोइन बदल दो' सुनना पड़ा'

तमन्ना के मुताबिक, साउथ सिनेमा में काम करने से उन्हें फिल्मों में मौके ही नहीं मिले, बल्कि अलग संस्कृति और भाषाओं को समझने का अनुभव भी मिला। बाद में वह तमिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में काम करने लगीं।

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई की एक स्कूल गर्ल ने 13-14 साल की उम्र में फिल्म साइन की थी। शायद उन्हें भी नहीं पता था कि कैमरे के सामने खड़े होने का यह फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक टिकने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरुआत आसान नहीं थी। पहली फिल्म नहीं चली, साउथ में नई भाषा और माहौल से जूझना पड़ा। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें एक सीन करने में असहजता जताने पर फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया। सेट पर उनके सामने कहा गया- 'हीरोइन बदल



दो।' लेकिन तमन्ना पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी सीमा से समझौता नहीं किया और उस घटना को आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। हैप्पी डेज और कल्लूरी से पहचान मिली, अयान और '100 प्रतिशत लव' ने उन्हें मजबूत अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। 2015 की बाहुबलीः द बिगिनिंग ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया।

13 साल की उम्र में साइन की पहली फिल्म

तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में सिंधी मूल के पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया डायमंड मर्चेंट हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और स्टेज परफॉर्म किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में पहचान बना ली थी। 2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म साइन करते वक्त उनकी उम्र करीब 13.5 साल थी। प्रमोशन के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर का कहना था- तुम लड़कों जैसे चलती हो। करियर के शुरुआती दिनों के बारे में तमन्ना ने कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में आए ज्यादा समय नहीं हुआ था।



सेट पर मिला सबसे बड़ा झटका- 'हीरोइन बदल दो'

तमन्ना के शुरुआती करियर का सबसे चौंकाने वाला किस्सा वह है, जब कम उम्र में उन्हें एक फिल्म के सेट पर अपनी बात रखने की कीमत चुकानी पड़ी। तमन्ना ने द लल्लनटॉप के 'न्यूजरूम' में बताया था कि वह साउथ के एक बड़े स्टार के साथ फिल्म कर रही थीं। एक सीन को लेकर वह सहज नहीं थीं। उन्होंने साफ कहा कि वह सीन नहीं करना चाहतीं। तमन्ना के मुताबिक, सीन इंटीमेट नहीं था, लेकिन उसमें कुछ ऐसा था जिसे करने में वह सहज महसूस नहीं कर रही थीं।



हिंदी फिल्म नहीं चली तो साउथ में शुरू हुआ असली संघर्ष

2005 में तमन्ना ने तेलुगु फिल्म श्री से साउथ सिनेमा में एंट्री की और 2006 में तमिल फिल्म केडी में नजर आईं। उस समय वह ऐसी इंडस्ट्री में काम कर रही थीं, जिसकी भाषा और संस्कृति उनके लिए नई थी। तमन्ना ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्हें बस एक्टिंग करनी थी। उन्होंने कहा था कि उस समय सफलता की गणना के बजाय उनका ध्यान काम करते रहने और सीखने पर था।



ट्रोलिंग पर कटरीना कैफ का जवाब, डिलीवरी के बाद लुक को लेकर हुईं ट्रोल, सलमान सपोर्ट कर चुके

'दूसरों की सुनेंगे तो आगे नहीं बढ़ पाएंगे'

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने डिलीवरी के बाद लुक को लेकर हुईं ट्रोलिंग पर जवाब दिया है। उन्होंने ट्रोलिंग से अपनी सेल्फ-वर्थ को बचाकर रखने की सलाह दी है। यूके में अपने कॉस्मेटिक ब्रांड की सालगिरह के कार्यक्रम के दौरान कटरीना ने कहा कि दूसरों की बातों पर ध्यान देने से खुद के फैसले लेने की क्षमता प्रभावित होती है।

43 साल की कटरीना ने कहा कि जिंदगी के हर दौर में खुद को स्वीकार करना जरूरी है। दूसरों की सुनते रहेंगे तो जिंदगी में आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

कटरीना कैफ का यह बयान उनके पोस्टपार्टम लुक को लेकर सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के एक महीने बाद आया है। हाल ही में मां बनीं कटरीना को अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी उत्सव में उनके बढ़े हुए वजन के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था।

गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं। गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं। कटरीना ने आगे बताया कि



'ऑनलाइन चल रही बातों को हावी ना होने दें'

कटरीना कैफ ने कहा कि सोशल मीडिया पर हर किसी की अपनी राय होती है। ऐसे में ऑनलाइन चल रही बातों को अपने आत्मसम्मान पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप हर इंसान की राय के हिसाब से चलने लगेंगे, तो अपने लिए फैसले लेने की क्षमता खो देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार दुनिया आपका जश्न मनाती है और कई बार आपको खुद ही अपना सबसे बड़ा सपोर्टर बनना पड़ता है।

लगातार दूसरों की बातों पर प्रतिक्रिया देने से इंसान खुद को आगे बढ़ाने में असमर्थ महसूस कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वे हर आलोचना या टिप्पणी



गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं।

को अपने फैसलों पर हावी होने देतीं, तो जिंदगी में आगे नहीं बढ़ पातीं। उनके मुताबिक, आत्मविश्वास और खुद को देखने का जरिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता। कुछ दिन बहुत अच्छे होते हैं और कुछ दिनों में खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

कटरीना कैफ ने इस बात पर जोर दिया कि इंसान को मौजूदा वक्त में अपनी असल पहचान के साथ रहना चाहिए। व्यक्तिगत सुधार और बदलाव एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

स्त्री 3 पर लगी मुहर, सिरकटा के बाद नए भूत से होगा 'विक्की' का सामना !

मुंबई। सितारों के साथ चलने वाली लंबी-चौड़ी टीम को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। हालांकि, कुछ कलाकार हैं जो अपनी टीम का खर्च निर्माताओं पर नहीं थोपते हैं। उनमें अभिनेता राजकुमार राव (Rajkummar Rao) भी हैं। उनके साथ केवल चार लोग ही होते हैं, वह खुद निर्माता भी हैं तो खुद को निर्माता का एक्टर भी मानते हैं।

राजकुमार राव कहते हैं, रमुझे कभी अपनी टीम छोटी करनी ही नहीं पड़ी। मेरे साथ चार लोग ही रहते हैं, जिनमें मेकअप और हेयर के लिए दो लोग, एक असिस्टेंट और एक सिक्योरिटी से होते हैं। पांच साल से यही है। मुझे लगता है कि कलाकार को निर्माता का एक्टर होना चाहिए।

किसी चीज को लेकर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। अगर आप सेट पर हैं तो इतना तो कर ही सकते हैं कि अपनी या अपनी टीम की कॉफी खुद मंगा लो या कहीं का खाना पसंद है तो खुद ऑर्डर कर लो। इसका भार निर्माता पर



क्यों डालना?

आगामी दिनों में राजकुमार फिल्म 'प्रहार' (Prahaar) में नजर आएंगे। इसके अलावा वह पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली पर बनी फिल्म 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' में मुख्य भूमिका में हैं।

राजकुमार कहते हैं, हमने बहुत सारी बातें की हैं, उनके घर पर फिल्म शूट भी की है, ईडन गार्डन स्टेडियम में भी शूटिंग हुई है। मैंने कोलकाता में उनके साथ बहुत समय बिताया है। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मेरे सामने खोलकर रख दी। वह लीजेंड है। अपनी फ्रेंचाइज फिल्म स्त्री 3 (Stree 3) को लेकर राजकुमार ने कहा कि बिल्कुल वह आ रही है। अगले साल शूट शुरू करने की योजना है।

राष्ट्रपति ने जेल भेजने की धमकी दी थी, अब साथ मिलकर एआई के नियम बना रहे

ओबामा के करीबी थे, अब ट्रम्प के खास बने जुकरबर्ग

सुधार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

मेटा चीफ मार्क जुकरबर्ग कभी अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के करीबी थे। 2021 में फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प का अकाउंट बंद कर दिए, तो उन्होंने जुकरबर्ग को जेल भेजने की धमकी दी थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद जुकरबर्ग ने ट्रम्प से रिश्ते सुधार लिए हैं। अब जुकरबर्ग का प्रभाव AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े फैसलों में भी दिख रहा है। AI सुरक्षा समझौते का मसौदा तैयार करने में उनका बड़ा रोल है। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने के बाद जुकरबर्ग ने उनसे रिश्ते सुधारने के लिए कई कदम उठाए। ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के लिए दानः मेटा ने 10 लाख डॉलर दिए। जुकरबर्ग को समारोह में दूसरे बड़े उद्योगपतियों के साथ प्रमुख जगह मिली। मेटा ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाए जाने से जुड़े मुकदमे को खत्म करने के लिए करीब 2.5 करोड़ डॉलर देने पर सहमति जताई।



2011 में फेसबुक हेडक्वार्टर में हुई एक टाउन हॉल मीटिंग के दौरान पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा मार्क जुकरबर्ग से बातचीत करते हुए।

समझौते का मकसद एआई के लिए मानक तय करना, उन्हें लागू करना और उनकी जांच कराना है। जुकरबर्ग का मानना है कि एआई की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को तकनीकी सुधारों से दूर किया जा सकता है।

जुकरबर्ग ने ट्रम्प से बिगड़े रिश्ते कैसे सुधारे

2021 में अमेरिकी संसद पर हमले के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प के अकाउंट्स पर रोक लगा दी थी। कंपनी को आशंका थी कि ट्रम्प की पोस्ट से हिंसा और बढ़ सकती है। इस फैसले से ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने जुकरबर्ग पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें उम्रकैद तक की धमकी दी। दोनों के रिश्ते सुधरने की शुरुआत जुलाई 2024 में हुई। पेंसिल्वेनिया की एक चुनावी रैली में ट्रम्प पर जानलेवा हमला हुआ। इस घटना के बाद जुकरबर्ग ने कहा कि गोली लगने के बाद ट्रम्प का उठकर हाथ लहराना उनके जीवन में देखी गई सबसे शानदार चीजों में से एक था। जुकरबर्ग की इस तारीफ के कुछ हफ्ते बाद ट्रम्प ने भी उनके प्रति नरम रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि अब वे जुकरबर्ग को पहले से ज्यादा पसंद करते हैं।



AI पर हुई बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान मार्क जुकरबर्ग ने ट्रम्प के साथ बात की।

ट्रम्प से नजदीकी का जुकरबर्ग को फायदा मिला

ट्रम्प और जुकरबर्ग की बढ़ती नजदीकी का असर सरकारी फैसलों पर भी दिख रहा है। जुकरबर्ग ने एनवीडिया के CEO जेंसन हुआंग के साथ मिलकर AI सुरक्षा समझौते का शुरुआती मसौदा तैयार किया।

पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस में ट्रम्प और टेक कंपनियों के प्रमुखों की बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया।

मस्क ने पूछा- स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस क्यों नहीं

क्या अंबानी असली बॉस हैं राहुल बोले- वेलकम इलॉन

नई दिल्ली, एजेंसी

इलॉन मस्क ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं।

मस्क ने गुरुवार को X पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के हर कानून और जरूरी शर्त का पालन कर रही है। इसके बावजूद उसे भारत में लाइसेंस क्यों नहीं मिला है? क्या अंबानी देश के रियल बॉस हैं?

मस्क के सवाल पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए X पर लिखा- भारत में आपका स्वागत है, इलॉन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए। राहुल गांधी के जवाब पर इलॉन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा- धन्यवाद, राहुल। यह वाकई परेशान करने वाला है। राहुल गांधी का 'द अदर गाय' से इशारा उद्योगपति गौतम अडाणी की तरफ माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे अक्सर नरेंद्र मोदी सरकार, अडाणी और अंबानी पर सांठगांठ का आरोप लगाते रहते हैं। मस्क इससे पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में कुछ बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री रोककर बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। इलॉन मस्क ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत के कुछ बड़े बिजनेसमैन नहीं चाहते कि स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट भारत आए, ताकि उनका एकछत्र राज बना रहे।



फास्ट न्यूज

लगातार 9 हफ्ते गिरने के बाद सेंसेक्स 1000 अंक चढ़ा

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 9 अक्टूबर को तेजी है। सेंसेक्स करीब 1000 अंक चढ़कर 72,550 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 300 अंक की तेजी है, ये 22,550 के पार पहुंच गया है। लगातार 9 हफ्ते गिरने के बाद, इस हफ्ते में आज बाजार में यह तेजी आई है। इससे एक दिन पहले सेंसेक्स 1,000 अंक गिरा था। आज आईटी और FMCG शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी है।

ट्रम्प ने टाटा-विप्रो को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से सस्पेंड किया

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने गुरुवार को 8 बड़ी आईटी कंपनियों को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से सस्पेंड कर दिया है। इनमें भारत की चार कंपनियां टाटा, इंफोसिस, विप्रो और HCL हैं। इनके अलावा माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, कॉग्निजेंट और कैपजेमिनी पर भी यह रोक लगाई गई है। इस फैसले के बाद ये कंपनियां अब अपने कर्मचारियों के लिए परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन PERM का आवेदन नहीं कर सकेंगी। इसी प्रक्रिया के जरिए कंपनियां H-1B वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका में पक्के तौर पर बसाने के लिए अर्जी लगाती हैं।

ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' दावे की निकली हवा

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस में अमेरिकी टेक्नोलॉजी की महानता का जश्न मनाते हुए एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने देश के सर्वोच्च विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मान के लिए 6 टेक्नोलॉजी दिग्गजों को नवाजा। हालांकि इस समारोह में सम्मान पाने वाले 6 वैज्ञानिकों में से 5 अमेरिका के बाहर के रहने वाले थे। इस पूरी सूची में एकमात्र अपवाद डेल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माइकल डेल थे।

सोना आज 2 हजार रुपए महंगा, डेढ़ लाख पार हुआ

चांदी 4 हजार चढ़कर 2.21 लाख पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज 9 अक्टूबर को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,968 रुपए चढ़कर 1.50 लाख रुपए पहुंच गया है।

इससे पहले 8 अक्टूबर को यह 1.48 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 4,064 रुपए चढ़कर 2.21 लाख रुपए पर हो गई है, जो गुरुवार को 2.17 लाख रुपए पर थी। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।



पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 16,415 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी 9,250 रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

16 साल पहले जहां 13 लोगों की जान ली, दोषी को वहीं गोली मारी जाएगी

अमेरिका में पहली बार सजा ए-मौत टीवी पर लाइव होगी

टेक्सास, एजेंसी

अमेरिका में पहली बार मौत की सजा को लाइव टीवी पर दिखाया जाएगा। पूर्व आर्मी मेजर निदाल हसन को गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि इस सजा का लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा, ताकि आम लोग इसे देख सकें। BBC के मुताबिक, 100 साल में यह अमेरिका में पहली सार्वजनिक तौर पर दी गई मौत की सजा होगी।

हसन ने 2009 में टेक्सास के सैन्य अड्डे पर धार्मिक नारा लगाते हुए गोलीबारी की थी, जिसमें 13 सैनिकों की मौत हो गई थी। अब 3 दिसंबर को यहीं मौत की सजा दी जाएगी। 1961 के बाद अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था के तहत मौत की सजा पाने वाला निदाल हसन पहला व्यक्ति होगा। सैन्य व्यवस्था में आखिरी बार प्राइवेट जॉन ए. बेनेट को मौत की सजा दी गई थी। हेगसेथ ने एक इंटरव्यू में कहा कि हसन को सैनिकों की एक टुकड़ी गोली मारकर मौत की सजा देगी।



निदाल हसन पर 13 लोगों की हत्या करने और 31 लोगों को घायल करने का आरोप है।



हमले के बाद माना था- जिहाद के लिए किया

5 नवंबर 2009 को सेना के मनोचिकित्सक मेजर निदाल हसन निजी पिस्तौल लेकर फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पहुंचा और सैनिकों व अन्य लोगों पर अचानक गोलीबारी कर दी। यह अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुई सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी थी। उस समय अमेरिका अफगानिस्तान और इराक में युद्ध लड़ रहा था। हसन ने बाद में कहा कि वह इन युद्धों को गैरकानूनी और अनैतिक मानता था और जिहाद के लिए हमला किया था।

गोलीबारी में हसन भी घायल हुआ और कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गया। सैन्य अदालत में उसने हत्याओं की बात स्वीकार की। 2013 में उसे पहले से हत्या की योजना बनाने और हत्या की कोशिश के कुल 45 मामलों में दोषी ठहराया गया। हसन ने हमले पर कोई पछतावा नहीं जताया। सैन्य मानसिक स्वास्थ्य पैनल के सामने उसने कहा कि वह चाहता था कि हमले में उसकी भी मौत हो जाती, ताकि वह शहीद बन सके। उसका यह तक कहा कि मौत की सजा मिलने पर भी वह खुद को शहीद मानेगा।

मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर, 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम अमेरिका में कटे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है।

अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है।

2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है।

नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है।



वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही

अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसके तहत वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अमेरिकी नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज देने होंगे।

वोट डालने के लिए पहचान पत्र दिखाने के नियम भी सख्त किए जाएंगे। ये नियम मतदान केंद्र पर और डाक से वोट डालने, दोनों पर लागू होंगे। ट्रम्प चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली होने के दावा करते रहे हैं। हालांकि, इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस की एक रिसर्च में भी जांच किए गए चुनावों में धांधली के मामले बेहद कम पाए गए।

भारतवंशी नवनीतम पिल्लै को शांति का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ लड़ने वालों की मदद की

ओस्लो, एजेंसी

नॉर्वे की नोबेल समिति ने 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नावी पिल्लै को देने का ऐलान किया है। उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका में जन्मीं पिल्लै ने रंगभेद के खिलाफ लड़ने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों का कानूनी बचाव किया था। उन्होंने युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने की दिशा में भी अहम काम किया है।

नोबेल के बाकी पुरस्कार स्वीडन में दिए जाते हैं, लेकिन शांति का नोबेल नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में दिया जाता है। इसकी वजह करीब 130 साल पुरानी है। यह व्यवस्था खुद अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी वसीयत में तय की थी।



1895 में लिखी अपनी वसीयत में नोबेल ने तय किया था कि शांति पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की संसद द्वारा चुनी गई समिति करेगी। उस समय स्वीडन और नॉर्वे एक ही राजा के अधीन थे, हालांकि दोनों की अपनी संसद और अलग राजनीतिक व्यवस्था थी। नोबेल ने यह नहीं बताया था कि शांति पुरस्कार के लिए उन्होंने नॉर्वे को ही क्यों चुना।

नोबेल की 1896 में मौत हुई और 1901 से पुरस्कार दिए जाने लगे। उस समय स्वीडन और नॉर्वे एक संघ में थे।

1905 में दोनों देश अलग हो गए, लेकिन नोबेल की वसीयत में शांति पुरस्कार के लिए नॉर्वे को दी गई जिम्मेदारी जारी रही। इसी वजह से आज भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मेडिसिन, साहित्य और अर्थशास्त्र के नोबेल स्वीडन में, जबकि शांति का नोबेल नॉर्वे में दिया जाता है।

सामनाः 76 साल में सबसे ज्यादा गर्म समुद्र, बाढ़-सूखा और बीमारियों का खतरा

सुपर-डुपर अल नीनो से पूरी धरती लाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4C ज्यादा हो गया है। यह 1950 के बाद का सबसे खतरनाक अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं। इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है।

शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।



अल नीनो का मतलब सिर्फ समुद्र का गर्म होना नहीं है। यह प्रशांत महासागर में होने वाली खास प्राकृतिक प्रक्रिया है। सामान्य स्थिति में प्रशांत महासागर की हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। अल नीनो के दौरान ये हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। इससे पश्चिम में जमा गर्म पानी पूर्व की तरफ फैलने लगता है और प्रशांत महासागर का मध्य और पूर्वी हिस्सा सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। दूसरे महासागरों में भी तापमान बदलता है, लेकिन वहां हवाओं और समुद्र के पानी की ऐसी खास व्यवस्था नहीं होती, इसलिए उसे अल नीनो नहीं कहा जाता।

दिसंबर में पीक पर रहेगा अल नीनो

इस साल अल नीनो दिसंबर में अपने चरम पर पहुंच सकता है। इसके असर से आने वाले महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की आशंका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने बारिश का पैटर्न बदलने से कई इलाकों में सूखा और बाढ़ का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी है। WMO के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के बीच इसका असर उत्तरी गोलार्ध में 2027 के वसंत तक बना रह सकता है। संगठन ने फरवरी 2027 तक इसके जारी रहने की करीब 100% संभावना जताई है। ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।

अल नीनो का असर भारत में भी दिखाई दे रहा है। 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से 13% कम बारिश के साथ खत्म हुआ। यह 2001 के बाद भारत का चौथा सबसे सूखा मानसून रहा। मानसून के दूसरे हिस्से में अल नीनो का असर भी देखा गया।

अल नीनो से तापमान बढ़ने का असर यूरोप में भी दिखा। फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन में इस साल कई जगह रिकॉर्ड गर्मी पड़ी। कम बारिश से डेन्यूब, राइन और टेम्स जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया।

तिमाही नतीजों से टीसीएस का शेयर 5% चढ़ा 13,884 करोड़ रहा मुनाफा मिले 90 हजार करोड़ रुपए के ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी

आईटी सर्विसेज कंपनी TCS के दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद आज शुक्रवार 9 अक्टूबर को इसके शेयरों में 5% से ज्यादा की तेजी है। ये आज 2170 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कंपनी ने 12 रुपए प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है।

दूसरी तिमाही में TCS का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 15% बढ़कर 13,884 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 12,075 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 11% बढ़कर 73,188 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 65,799 करोड़ रुपए था। वहीं, कॉन्स्टेंट करेंसी के आधार पर रेवेन्यू में पिछली तिमाही के मुकाबले 0.5% की मामूली बढ़त दर्ज की गई। 'कॉन्स्टेंट करेंसी' के आधार पर रेवेन्यू का मतलब है कि विदेशी मुद्रा जैसे डॉलर, पौंड, यूरो आदि के उतार-चढ़ाव के असर को हटाकर तुलना की गई है। चूंकि टीसीएस एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी है। यह अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप जैसे देशों से कमाई करती है। इसलिए, जब डॉलर या यूरो की कीमत रुपए के मुकाबले बदलती है, तो बिना कोई नया काम किए भी कंपनी की कमाई कम या ज्यादा दिखने लगती है। TCS का एआई रेवेन्यू 3.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो कंपनी के कुल रेवेन्यू का 10% से अधिक हिस्सा बन चुका है।



तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676